भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो समाज अपने बच्चों के अधिकारों को काग़ज़ों में बांट देता है, वह भविष्य में अपनी पीढ़ियों को केवल शिकायतें ही सौंप पाता है।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-77 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 6 फरवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

छात्रवृत्ति की थाली, बंदरबांट का प्रसाद और लुटता भविष्य

छात्रवृत्ति आजकल किसी गरीब छात्र के खाते में नहीं, बल्कि सिस्टम के पेट में जाती है। यह वजीफा नहीं रहा, यह विकास का विटामिन बन चुका है–उनके लिए, जिनका विकास छात्र नहीं बल्कि छात्र के नाम पर पल रहा है। हालत यह है कि छात्रवृत्ति शब्द सुनते ही सबसे पहले कॉलेज संचालक की मुस्कान चौड़ी होती है, बिचौलिए की आंखें चमकती हैं और कुछ अधिकारियों की फाइलें अपने आप खुलने लगती हैं। छात्र? वह बेचारा तो केवल काग़ज़ों में मौजूद रहता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

आज छात्रवृत्ति एक ऐसी गाय बन चुकी है, जिसे गरीब बच्चा पालता है, लेकिन दूध रसूखदार निकाल ले जाते हैं। अनुसूचित जाति-जनजाति के नाम पर आने वाला यह पैसा समाज को ऊपर उठाने के लिए था, मगर वह नीचे बैठे गिरोहों की तिजोरी भरने का ज़रिया बन गया है। यह कोई छोटी-मोटी गड़बड़ी नहीं, बल्कि संगठित काला कारोबार है, जो खुलेआम शिक्षा व्यवस्था की नाक के नीचे फल-फूल रहा है।

परदा ज़रा उठाइए।

गरीब परिवार का बच्चा–पहली पीढ़ी का विद्यार्थी–जब कॉलेज का सपना लेकर शहर आता है, तो उसे सबसे पहले 'सहयोगी' मिलते हैं। ये सहयोगी बड़े मीठे शब्दों में कहते हैं–कॉलेज आने की ज़रूरत नहीं, पास होने की गारंटी है, फीस की चिंता मत करो, सब छात्रवृत्ति से हो जाएगा। बच्चा क्या जाने कि यह गारंटी डिग्री की नहीं, लूट की है।

फिर शुरू होता है दस्तावेज़ों का खेल।

आधार, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, एसएसओ आईडी, पासवर्ड, बैंक पासबुक, चेकबुक–सब कुछ 'सुरक्षा' के नाम पर रख लिया जाता है। बच्चा सोचता है पढ़ाई शुरू हो गई, लेकिन असल में उसके नाम पर कमाई शुरू हो चुकी होती है। महंगे कोर्स में उसका दाखिला दिखाया जाता है, कॉलेज की फीस काग़ज़ों में कटती है, छात्रवृत्ति आती है और बच्चा सिर्फ़ इंतज़ार करता रह जाता है। सबसे बड़ा तमाशा यह है कि कई कॉलेजों में न शिक्षक हैं, न छात्र, न कक्षाएं–लेकिन दाखिलों की संख्या देखकर लगता है जैसे ज्ञान का कुंभ मेला लगा हो। शिक्षा का स्तर शून्य, मगर डिग्रियों का स्टॉक भरपूर। यह शिक्षा नहीं, डिग्री मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है, जहां ज्ञान की जरूरत नहीं, केवल जाति प्रमाण पत्र काफी है।

इस पूरे खेल में समाज कल्याण विभाग की भूमिका सबसे संदिग्ध है। सवाल उठता है–क्या अधिकारियों को कुछ दिखता नहीं? या फिर सब कुछ दिखते हुए भी आंखें बंद रखी गई हैं? जब पात्र विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति महीनों से नहीं आती और अपात्र संस्थानों में करोड़ों की राशि खप जाती है, तो इसे लापरवाही नहीं, साझेदारी कहा जाएगा। यह व्यवस्था इतनी निर्लज्ज हो चुकी है कि छात्र को खुद नहीं पता होता कि उसके नाम से किस कोर्स में दाखिला है। जब वह कभी गलती से किसी परीक्षा या फॉर्म में उस डिग्री का नाम भर देता है, तो उसकी अपनी ही सीबीटी (कॉमन बेसिक नॉलेज) जवाब दे जाती है। काग़ज़ पर पढ़ा-लिखा, हकीकत में ठगा हुआ–यही आज का छात्रवृत्ति उत्पाद है।

इस धांधली का सबसे घातक असर यह है कि वास्तविक जरूरतमंद बच्चे पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। जिनके लिए यह योजना बनी थी, वे चाय की दुकान, खेत और मजदूरी में लौट रहे हैं, और जिनके लिए नहीं बनी थी, वे डिग्रियों का ढेर लगाकर प्रतियोगी परीक्षाओं की भीड़ बढ़ा रहे हैं। न उन्हें ज्ञान है, न कौशल–सिर्फ़ एक खोखला आत्मविश्वास। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के विचार की हत्या है। बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा को शोषित समाज का सबसे बड़ा हथियार बताया था। आज उसी हथियार को जंग लगा दिया गया है, ताकि कुछ लोग बिना मेहनत अमीर बन सकें।

अब समय आ गया है कि इस काले कारोबार पर सीधा और तीखा प्रहार हो। फर्जी दाखिलों पर तत्काल रोक, छात्र की वास्तविक उपस्थिति का सत्यापन, बायोमेट्रिक अटेंडेंस, कॉलेजों की स्वतंत्र ऑडिट, और दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई–ये सब विकल्प नहीं, मजबूरी हैं। वरना छात्रवृत्ति की यह लूट एक पूरी पीढ़ी को डिग्रीधारी बेरोजगारों की कतार में खड़ा कर देगी।

अगर आज भी समाज चुप रहा, तो कल छात्रवृत्ति केवल इतिहास की किताबों में मिलेगी–एक ऐसी योजना के रूप में, जिसे गरीबों के नाम पर अमीरों ने खा लिया। और अधिकार की लूट पर चुप रहना, अपराध में साझेदार बनना है।

रिश्वत लेते पकड़ा गया डॉक्टर सम्मानित:

5 साल पहले हुआ था ट्रैप, गणतंत्र दिवस पर अजमेर में जल संसाधन मंत्री ने दिया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज

अजमेर । बांसवाड़ा में करीब 5 पांच साल पहले रिश्वत लेते हुए पकड़े गए बीसीएमओ को अजमेर में सम्मानित किया गया। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर अजमेर जिला स्तरीय कार्यक्रम पुलिस लाइन मैदान में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें मंत्री सुरेश रावत की ओर से अजमेर ग्रामीण बीसीएमओ डॉ. जसवंत सिंह को सम्मानित किया गया था। जसवंत सिंह को सम्मान मिलने के बाद अब चर्चा का दौर शुरू हो गया है। बता दें कि वर्ष 2020 में डॉ. जसवंत सिंह को बांसवाड़ा में चिकित्सा अधिकारी के पद पर तैनात रहते हुए लैब टेक्नीशियन के साथ 9 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। डॉ. जसवंत करीब डेढ़ वर्ष से अजमेर में कार्यरत हैं। वर्तमान में अजमेर ग्रामीण ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। जसवंत के अंडर में 7 पीएचसी आती हैं।

यह था मामला

वर्ष 2020 में बांसवाड़ा जिले में एसीबी की ओर से आदर्श प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बस्सी आड़ा के प्रभारी डॉ. जसवंत सिंह और लैब टेक्नीशियन दिनेश मीणा को 9 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि सफाई के कार्यों के बिलों को भुगतान और दो महीने का संतोषजनक प्रमाण पत्र नहीं देने की एवज में रुपए मांगे थे । दोनों ने एक महीने के 4500 रुपए के हिसाब से दो महीने के 9 हजार रिश्वत राशि मांगी थी।

इसके बाद शिकायतकर्ता एसीबी के पास पहुंचा और कार्रवाई कर डॉक्टर जसवंत और लैब टेक्नीशियन को पकड़वाया था। डॉ. जसवंत सिंह का मामला अभी कोर्ट में चल रहा है।

महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस अधीक्षक की अहम बैठक, महिला पुलिसकर्मियों को दिए गए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

महिला विरोधी अपराधों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश

लंबित मामलों के शीघ्र निपटान एवं पीड़िताओं को संवेदनशील सहायता पर जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने गुरुवार को पुलिस लाइन स्थित एनजीओ मैश के मीटिंग हॉल में जिले की महिला पुलिस इकाई के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य महिला विरोधी अपराधों पर अंकुश लगाना और जिले में महिला सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना रहा। बैठक में महिला एवं बाल संरक्षण अधिकारी रेखा अग्रवाल, महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अरुणा रानी, महिला सुरक्षा प्रभारी निरीक्षक मंजू रानी, डीसीआरबी प्रभारी उपनिरीक्षक संस्करण और सहायक उपनिरीक्षक संदीप कुमार सहित जिले भर की महिला पुलिसकर्मी उपस्थित रहीं।

लंबित प्रकरणों की समीक्षा

बैठक में महिला अपराधों से संबंधित लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि इन मामलों को न्यायालय में समयबद्ध तरीके से प्रस्तुत किया जाए ताकि पीड़िताओं को शीघ्र न्याय मिल सकें।

साक्ष्य आधारित कार्रवाई एवं त्वरित न्याय पर बल

पुलिस अधीक्षक ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि महिला विरोधी अपराधों के मामलों में पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जाए तथा ठोस साक्ष्य जुटाकर अपराधियों को कानून के दायरे में लाया जाए। जैन ने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों को और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता है ताकि वे संवेदनशील मामलों को बेहतर तरीके से संभाल सकें और पीड़ित महिलाओं को मैत्रीपूर्ण एवं सहानुभूतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध करा सकें।

निगरानी तंत्र को प्रभावी बनाने के निर्देश

पर्यवेक्षण अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जिले में निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए तथा संदिग्ध गतिविधियों पर सतत नजर रखी जाए। साथ ही थाना स्तर पर जनसंपर्क बढ़ाने और पीड़िताओं को काउंसलिंग एवं कानूनी सहायता उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

जागरूकता अभियान से महिला सशक्तिकरण

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि महिला सुरक्षा केवल पुलिस कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज में व्यापक जागरूकता आवश्यक है। इस दिशा में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं जिनका उद्देश्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाओं को उनके अधिकारों, कानूनी विकल्पों और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि इन अभियानों को स्कूलों, कॉलेजों, महिला मंडलों और पंचायत स्तर तक पहुंचाया जाए।

डाबडी में विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर जनसंपर्क अभियान, कार्यकर्ताओं ने घर-घर बांटे पीले चावल, दिया निमंत्रण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । फतेहपुर रोड स्थित वार्ड 2 में स्थित सम्राट सिद्धि विनायक मंदिर मंडावा में 8 फरवरी को मंडावा में आयोजित होने वाले विराट हिंदू सम्मेलन के संबंध में आज निकटवर्ती ग्राम डाबडी में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर पीले चावल वितरित किए गए तथा सम्मेलन की सूचना एवं कार्यक्रम विवरण पत्र लोगों तक पहुंचाया गया। जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों से आग्रह किया गया कि वे अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में सहभागिता करें। साथ ही मातृशक्ति से विशेष रूप से अपील की गई कि वे कलश यात्रा में अवश्य भाग लें और इस सांस्कृतिक व सामाजिक कार्यक्रम को सफल बनाएं। ग्रामीणों में सम्मेलन को लेकर उत्साह देखने को मिला और अनेक लोगों ने कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आश्वासन दिया। आयोजकों ने कहा कि विराट हिंदू सम्मेलन समाज को संगठित करने, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और सामाजिक समरसता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर सायर सिंह, लोकेन्द्रसिंह, सज्जन सुरोलिया, कायम सिंह, छैलूसिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

केंद्र सरकार के अधिवक्ताओं की फीस में वृद्धि पर राजस्थान उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का जताया आभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा केंद्र सरकार की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ताओं की फीस में वृद्धि करने के ऐतिहासिक निर्णय का राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर से जुड़े केंद्र सरकार के अधिवक्ताओं ने स्वागत किया है। इस निर्णय पर अधिवक्ताओं ने केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के प्रति आभार व्यक्त किया है। राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर के केंद्र सरकार के एसपीसी अधिवक्ता अशोक प्रजापत ने कहा कि यह निर्णय लंबे समय से प्रतीक्षित था। फीस में की गई वृद्धि से अधिवक्ताओं का मनोबल बढ़ेगा और सरकारी मामलों में पैरवी की गुणवत्ता और अधिक सुदृढ़ होगी। उन्होंने इसे अधिवक्ताओं के हित में उठाया गया सकारात्मक और दूरदर्शी कदम बताया। इस अवसर पर भारत सरकार के एसपीसी वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक प्रजापत सहित निमेष सुथार, किरताराम मेघवाल, मोहन जयपाल, अश्विनी शर्मा, अभिषेक शर्मा और एच आर रावल सहित अन्य अधिवक्ताओं ने खुशी व्यक्त की। निमेष सुथार ने कहा कि अर्जुन राम मेघवाल के नेतृत्व में मंत्रालय ने अधिवक्ताओं की व्यावहारिक समस्याओं को समझते हुए त्वरित और प्रभावी समाधान दिया है। वहीं अशोक प्रजापत ने बताया कि फीस में यह वृद्धि न केवल आर्थिक रूप से अधिवक्ताओं को संबल प्रदान करेगी, बल्कि यह सरकार के पेशेवर कार्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को भी दर्शाती है।

मोक्षधाम भूतनाथ महादेव कि मूर्ति स्थापना आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिराना।

सुमेर मीणा । चिराना में स्थित मोक्षधाम में नवनिर्मित श्री भूतनाथ मंदिर में भगवान शिव कि भूतनाथ स्वरूप की मूर्ति स्थापना शुक्रवार को दोपहर सवा एक बजे किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक चेतन कुमावत व मोक्षधाम समिति के व्यवस्थापक अनील बारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मूर्ति अनावरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल होंगे तथा डॉ गणेश दास बैरागी ऋषिकेश देवाचार्य पीठ किरोड़ीधाम के पावन सानिध्य में विधिवत पूजा अर्चना के साथ अनावरण होगा।इस पुण्य कार्य में समस्त ग्रामवासी की सादर उपस्थित हेतु विकास कुमावत राकेश कुमावत ने आने का आग्रह किया है।

आर्मी जवान ने व्यापारी से मांगी 2 करोड़ की फिरौती

राहगीरों से फोन लूटकर धमकाया; कुछ दिन पहले ही छुट्टी पर आया था घर

भीम प्रज्ञा न्यूज

श्रीगंगानगर । श्रीगंगानगर में छुट्टी पर घर आया आर्मी का जवान 2 करोड़ की फिरौती मांगने का मास्टरमाइंड निकला। साथी के साथ मिलकर उसने राहगीरों से मोबाइल लूटे और फिर अलग-अलग नंबरों से व्यापारी को धमकी देकर 2 करोड़ की फिरौती मांगी थी। व्यापारी को धमकाने के बाद आरोपी उन मोबाइल को फेंक देते थे, ताकि ट्रेस न हो सकें और पुलिस की पकड़ में नहीं आए। पुलिस ने CCTV फुटेज और तकनीकी मदद से जानकारी जुटाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामला रामसिंहपुर और श्रीविजयनगर थाना इलाके का है।

बेटे की जान को खतरा बताकर करवाई थी FIR

एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया- 28 जनवरी को श्रीविजयनगर थाना क्षेत्र के एक व्यापारी को फोन पर धमकी भरा कॉल आया। फोन करने वाले ने व्यापारी से 2 करोड़ रुपए फिरौती मांगी थी और नहीं देने पर बेटे को जान से मारने की धमकी दी।

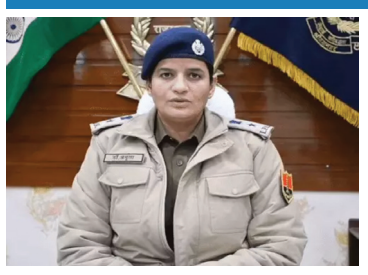

एसपी ने बताया- व्यापारी की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फोन लूटकर व्यापारी से 2 करोड़ मांगने वाले आर्मी के जवान गुरलाल सिंह उर्फ लाली (33) निवासी तरनतारन (पंजाब) और दिलप्रीत सिंह (18) निवासी 47 जीबी, रामसिंहपुर (श्रीगंगानगर) को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों ने 3 मोबाइल लूटकर व्यापारी को धमकी दी

अमृता दुहन ने बताया- जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 28 जनवरी 2026 को रावला-खाजूवाला रोड पर ओमप्रकाश का मोबाइल लूटा और उसी से व्यापारी को धमकी दी। इसके बाद 30 जनवरी को सूरतगढ़-अनूपगढ़ रोड पर ढाबे से फोन लूटकर धमकी दी गई।

31 जनवरी को रामसिंहपुर थाना क्षेत्र में करनैल सिंह का फोन लूटा। 1 फरवरी को चन्दूराम का फोन लूटकर फिर से व्यापारी को धमकी दी। फौजी ने लूटे फोन से ही कॉल करके फिरौती की मांग की। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने मोबाइल लूट की घटनाओं को गंभीरता से लिया और

व्यापारी के यहां काम करता था एक आरोपी

जांच में सामने आया कि आरोपी दिलप्रीत व्यापारी के यहां काम कर रहा था। गुरलाल की दिलप्रीत से जान-पहचान थी। गुरलाल को पैसों की जरूरत थी तो उसने दिलप्रीत के साथ मिलकर व्यापारी से फिरौती मांगने की प्लानिंग की। गुरलाल सेना से छुट्टी लेकर पहले अपने गांव गया था। इसके बाद दिलप्रीत से मिलने के बहाने श्रीगंगानगर आया और मोबाइल लूटकर व्यापारी को धमकी भरे कॉल किए और फिरौती मांगी।

जम्मू-कश्मीर में तैनात है मास्टरमाइंड

एसपी ने बताया- पूछताछ में खुलासा हुआ कि वारदात का मास्टरमाइंड आरोपी गुरलाल सिंह एक फौजी है, जो जम्मू-कश्मीर में तैनात है। वह चार-पांच दिन पहले छुट्टी लेकर दिलप्रीत सिंह के पास आया और 2 करोड़ की फिरौती की पूरी प्लानिंग रची।

चेहरे व नाक पर नजर आने वाले ब्लैकहेड्स मिनटों में होंगे दूर

खूबसूरती से हर किसी बेहद प्यार होता है। वहीं चेहरे व नाक पर नजर आने वाले ब्लैकहेड्स और व्हाइटहैड्स पूरी पर्सनैलिटी पर इफैक्ट डाल सकते हैं। इन्हें हटाने के लिए लड़कियां कई उपचार करती है, जिनसे दर्द के साथ खर्चा भी बेहद होता हैं।ऐसे में आप बिना किसी दर्द व खर्च घरेलू चीजों का इस्तेमाल करके ब्लैकहैड्स से छुटकारा पा सकती हैं।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा में गुलाबजल व पानी मिलाकर पेस्ट तैयार करें। फिर इस पेस्ट को ब्लैकहैड्स वाली जगह पर अप्लाई करें। थोड़ी देर ऐसे ही रहने दें जब पेस्ट सूख जाए तो इसे वैक्सिंग की तरह हल्के हाथों से खींचते हुए उतारें।

टूथब्रश

खराब टूथब्रश को फैंकने के बजाएं उसे ब्लैकहैड्स निकालने के लिए इस्तेमाल करें।पहले ब्रश पर थोड़ा सा टूथपेस्ट लगाएं और ब्लैकहेड्स वाली जगह पर इसे हल्के से रगड़ें। इससे रोजाना इस्तेमाल करने से आपको ब्लैकहैड्स खुद व खुद निकलते नजर आएगें।

शहद और चीनी

शहद और चीनी को मिलाकर पेस्ट बनाएं।अब इसे ब्लैकहेड्स से प्रभावित जगहों पर लगाएं और कम से कम 2 मिनट तक रगड़ें। रगड़ने के बाद इसें 5 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें और बाद में चेहरा धो लें।

एक्टिवेटेड चारकोल

रात को 2-3 एक्टिवेटेड चारकोल कैप्सूल लेकर अच्छी तरह पीस लें। फिर इसमें1/4 चम्मच जेलेटिन, 1 विटामिन ई कैप्सूल मिलाकर मास्त तैयार करें। अब इसे पेस्ट को ब्लैकहैड्स से प्रभावित जगह पर लगाएं और सूख जाने के बाद खींचकर निकालें

चाय की केतली से आ रही बदबू और हो गई चिपचिपी

बड़े काम की है ये 2 ट्रिक्स, मिनटों में करें साफ

चाय की केतली आज भी ज्यादातर घरों में इस्तेमाल होती है। चाय को थोड़ी देर तक गर्म रखने के लिए केतली काफी हेल्पफुल होती है लेकिन अगर इसे सही ढंग से साफ ना किया जाए तो जल्दी गंदी भी हो जाती है। केतली के अंदर से चाय की अजीब सी बदबू आने लगती है और लिसलिसापन भी होता है। ऐसे में केतली में रखी चाय पीना का मन नहीं करता और ये इसके अंदर का शीशा इतना नाजुक होता है कि ज्यादा तेज से सफाई करने पर वो टूट सकता है। ऐसे में चाय की केतली की सफाई कैसे करें चलिए हम आपको आसान सी 2 ट्रिक्स बता देते हैं, इनकी मदद से आप मिनटों में केतली को चकाचक कर लेंगे और शीशा भी सेफ रहेगा।

क्या हैं ट्रिक्स

कॉफी पाउडर- कॉफी पाउडर किसी भी तरह की बुरी स्मेल को मिनटों में जड़ से खत्म कर देता है। चाय की केतली से बुरी बदबू आ रही है, तो कॉफी पाउडर को पानी में उबालकर केतली में डालें। इसे करीब आधे घंटे के लिए छोड़ दें और फिर लिक्विड डिशवॉश भी इसमें डालकर शेक करें। ऐसा करने से स्मेल गायब हो जाएगी और चिपचिपापन भी।

अदरक का पानी- अदरक को कूटकर पानी में उबालें और फिर यही पानी केतली में डालें। अदरक की तेज स्मेल से केतली की खराब बदबू गायब हो जाएगी। अदरक में ऐसे तत्व होते हैं, जो चीजों से स्मेल को हटा देते हैं।

चावल वाली ट्रिक- चावल को आधे घंटे तक भिगोकर उसका पानी निकाल लें और उसमें नींबू निचोड़ दें। अब इस घोल को चाय की केलती में भरकर आधे घंटे के लिए ढक्कन लगाकर रखें। इसे कुछ देर बाद शेक करें और फिर छोड़ दें। इसके बाद केतली साफ करने वाले ब्रश से उसे मिनटों में साफ कर लें।

क्लीनिंग टिप्स- केतली को साफ करते समय किसी भी धारदार चीजों का यूज न करें और ब्रश को भी हल्के हाथों से चलाएं। इसका कांच काफी नाजुक होता है। इसके अलावा केतली को हर दो दिन में अच्छे से साफ करें, वरना बदबू-चिपचिपी से चाय का स्वाद भी बिगड़ जाएगा।

किचन के कामों को करना किसी मिशन को पूरा करने जैसा होता है, जिसमें हर चीज सही से होनी चाहिए। किचन के काम करते हुए महिलाएं पूरी तरह से थक जाती हैं लेकिन फिर भी कुछ न कुछ रह जाता है। ऐसे में अगर कुछ किचन हैक्स पता हो, तो कुछ कामों को जल्दी निपटाया जा सकता है। अम्मी की थाली नाम का इंस्टाग्राम पेज चलाती हैं शशिकला चौरसिया जी। उन्होंने कुछ ऐसे हैक्स बताए हैं, जो आपके किचन के कामों को फटाफट निपटाने में मदद करेंगे और कुछ चीजों को आसान कर देंगे।

ये हैं 10 नए किचन टिप्स, जो आसान कर देंगे रसोई के झंझट भरे काम

क्या हैं किचन हैक्स

1- नमक- नमक अक्सर डिब्बी के अंदर पड़े हुए भी गीला हो जाता है और फिर इसे निकालना मुश्किल हो जाता है। कई बार ये ऐसे जम जाता है कि इसे फेंकना ही पड़ता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो नमक भरने से पहले शीशी में 4-5 चावल के दाने डाल दें। ये नमी सोख लेगा और नमक हमेशा सूखा रहेगा।

2- हरी मिर्च- हरी मिर्च को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए उसे कागज में लपेटकर एयरटाइट डिब्बे में रखें। हरी मिर्च 15 दिनों तक खराब नहीं होगी और न ही काली पड़ेगी।

3- दाल- दाल पकाते समय अक्सर पानी में झाग आ जाता है और फिर ये झाग कुकर से बाहर आकर फैल जाता है। इससे बचना है कि दाल चढ़ाते समय 1 चम्मच सरसों का तेल डाल दें। दाल का स्वाद भी अच्छा होगा और झाग नहीं बनेगा।

4- मिक्सी- मिक्सी में प्याज-लहसुन और चीजें पीसते हुए बदबू आने लगती है। अगर आपकी मिक्सी भी बदबू मार रही है, तो मिक्सी के अंदर नींबू का छिलका और पानी डालकर चलाएं। 1 मिनट में बदबू गायब हो जाएगी।

5- प्याज- प्याज काटते समय हर किसी को आंसू आते हैं और हर कोई इसका इलाज खोज रहा है। अम्मा जी का कहना है कि प्याज काटते समय मुंह में लौंग दबा लें, आंखों से पानी नहीं आएगा।

6- बासी रोटी- बासी रोटी रखने के बाद हमेशा सख्त हो जाती है। फिर इन्हें खाने में मजा नहीं आता और ये फेंकनी पड़ती है। ऐसे में आपको बासी रोटी पर हल्का सा पानी छिड़कना है और कुकर में 2 मिनट तक स्टीम देना है। रोटी बिल्कुल सॉफ्ट हो जाएगी।

7- फ्रिज की बदबू- फ्रिज में कभी कोई चीज रखे हुए खराब हो जाए या किसी चीज की बदबू भर जाए। तो फ्रिज साफ करने के बजाय उसमें खुली कटोरी में कॉफी भरकर रख दें। कॉफी पूरी बदबू खींच लेगी।

8- चावल- अगर पकाते समय आपके चावल भी चिपक जाते हैं, तो नींबू का 1 टुकड़ा उसमें डाल दें। चावल हमेशा खिला-खिला रहेगा।

9- कढ़ाही- जली हुई कढ़ाही को साफ करने के लिए सिरका और नमक डालकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। कढ़ाही बिना रगड़ें ही चमक उठेगी।

10- अदरक-लहसुन- अदरक-लहसुन का पेस्ट सब्जी में डालने के लिए हर बार बनाती हैं, तो अब स्टोर करके रख दें। इस पेस्ट को बनाएं और इसमें सरसों का तेल मिलाकर फ्रिज में रख दें। रंग, स्वाद दोनों 1 हफ्ते तक बने रहेंगे।

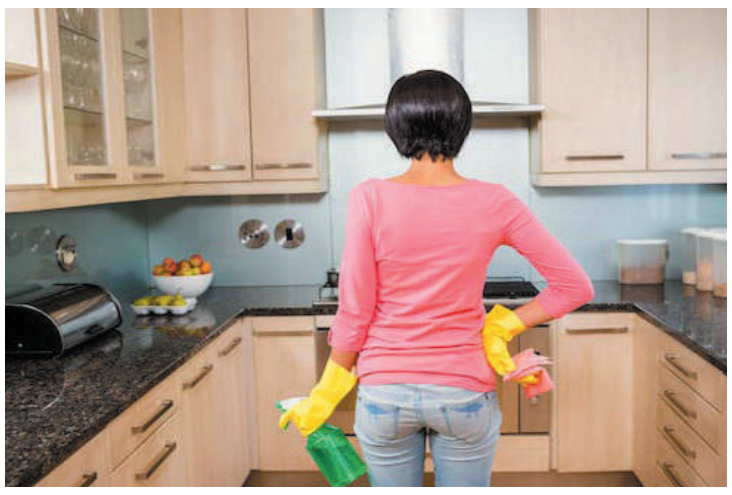

चावल के आटे की पूरी क्यों टूटती है

भारतीय रसोई में व्यंजनों के स्वाद और सुगंध रहती है। जब गेहूं की पूड़ियों से मन भर जाएं या सादा भोजन व ग्लूटेन फ्री विकल्प चाहिए तो चावल के आटे की पूरी सबसे भरोसेमंद और स्वादिष्ट समाधान बन सकती है।

चावल के आटे से बनी पूड़ियां बाहर से कुरकुरी, खस्ता जैसी और अंदर से हल्की व फूली फूली होती हैं। हालांकि अक्सर चावल के आटे से बनाई पूड़ियां टूटने लगती हैं। कई बार लोगों को चावल के आटे की पूड़ी बनाना कठिन लगता है। लेकिन अगर ये सही तरीके से बनाई जाए तो टूटती भी नहीं और आसानी से भी बनाई जा सकती है। यहां एक दम सरल विधि और कुछ टिप्स दिए जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आसानी से चावल के आटे की कुरकुरी और हल्की पूड़ी बना सकते हैं।

चावल के आटे की पूड़ी कैसे बनाएं

सामग्री

चावल का आटा - 1 कप

गरम पानी - आवश्यकतानुसार

नमक - स्वादानुसार

तेल - 1 छोटा चम्मच (मोयन के लिए)

तलने के लिए तेल - पर्याप्त

1 चुटकी अजवाइन या जीरा स्वाद के लिए (वैकल्पिक)

चावल के आटे की पूरी बनाने की विधि

चावल के आटे की पूरी बनाना कोई कठिन काम नहीं, बस तरीका सही होना चाहिए। जब आटा सही गूंथा जाए, पूरी सही तरह बेली जाए और तेल सही तापमान पर हो तो यह पूरी हर बार कुरकुरी और फूली-फूली बनती है।

स्टेप 1 : आटा गूंथने का सही तरीका

एक परात में चावल का आटा और नमक डालें।

अब इसमें उबलता हुआ गरम पानी थोड़ा-थोड़ा डालें।

चम्मच से मिलाएं, फिर जब हल्का ठंडा हो जाए तो हाथ से नरम लेकिन सख्त आटा गूंथ लें।

ऊपर से 1 चम्मच तेल लगाकर ढक दें और 5 मिनट के लिए छोड़ दें।

ध्यान रखें चावल का आटा ठंडे पानी से नहीं गूंथना चाहिए, वरना पूरी फटेगी।

स्टेप 2 : पूरी बेलने का सही तरीका

हाथों में थोड़ा तेल लगाएं।

आटे की छोटी-छोटी लोइयां बनाएं।

दो पॉलिथीन शीट या गीले कपड़े के बीच रखकर हल्के हाथ से बेलें।

सूखा आटा लगाने की जरूरत नहीं वरना पूरी सख्त हो जाएगी।

स्टेप 3 : तलने का परफेक्ट तरीका

कढ़ाही में तेल मध्यम आंच पर गरम करें।

तेल अच्छी तरह गरम हो जाए, तभी पूरी डालें।

पूरी डालते ही हल्के हाथ से दबाएं, पूरी फूलने लगेगी।

दोनों तरफ से सुनहरी और कुरकुरी होने तक तलें।

बटर पेपर या किचन टॉवल पर निकाल लें।

परफेक्ट चावल की पूरी के खास टिप्स

आटा हमेशा गरम पानी से गूंथें।

लोइयां सूखने न दें, ढककर रखें।

बेलते समय ज्यादा दबाव न डालें।

तेल ज्यादा ठंडा या बहुत तेज न हो।

तुरंत तलें, देर करने पर पूरी टूटती है

पेट की चर्बी कम करने के लिए खड़े होकर करें ये 3 एक्सरसाइज!

प्लैंक-सिटअप की नहीं जरूरत

पेट की चर्बी कम करना सबसे मुश्किल कामों में से एक है, इसके लो घंटों-घंटों जिम में बिताते हैं और एक्स्ट्रीम डाइटिंग करना भी नहीं भूलते. हालांकि जिम की मशीनें, कार्डियो और फ्लोर एक्सरसाइज करना काफी लोगों को मेहनत का काम लग सकता है खासकर वो लोग जो ऑफिस या अन्य कारणों से जिम नहीं जा सकते. अच्छी बात यह है कि पेट की चर्बी कम करने के लिए आपको इतनी मेहनत करने की जरूरत नहीं है क्योंकि कुछ ऐसी एक्सरसाइज भी हैं जो आप खड़े-खड़े कर सकते हैं. ये एक्सरसाइज हार्ट रेट बढ़ाती हैं जिससे कैलोरी बर्न तो होती ही है, साथ ही साथ कोर मसल्स को मजबूती भी देती हैं.

गुरुत्वाकर्षण का नियम कहता है कि पृथ्वी का द्रव्यमान अधिक होता है इसलिए यह अपने पास की हर वस्तु को अपने पास यानी नीचे की ओर खींचती है. जब आप खड़े-खड़े एक्सरसाइज करेंगे तो कुछ एक्सरसाइज इस नियम के विपरीत काम करती हैं जिससे फ्लोर एक्सरसाइज की अपेक्षा इनसे अधिक कैलोरी बर्न होती है. तो आइए उन 5 स्टैंडिंग वर्कआउट के बारे में जानते हैं जो पेट की चर्बी कम करने में मदद कर सकती हैं.

नी टू एलबो क्रंच

खड़े होकर घुटने से कोहनी तक ले जाने वाली यह एक्सरसाइज पेट के ऊपरी और निचले हिस्से के मसल्स को एक्टिव करने के साथ-साथ आपके बैलेंस और कॉर्डिनेशन को बेहतर बनाने का एक शानदार तरीका है.

इसके लिए आप सीधे खड़े हो जाएं और पैरों के बीच लगभग कंधे बराबर दूरी रखें. अपना एक हाथ सिर के पीछे रखें और सिर को हल्के से पकड़ लें. जब आप अपने दाहिने घुटने को अपने चेस्ट की ओर उठाते हैं तो अपने शरीर को इस तरह मोड़ें कि आपकी बाईं कोहनी आपके दाहिने घुटने की ओर आ जाए यानी विपरीत दिशा में क्रंच करें.

अब अपने दाहिने पैर को जमीन पर नीचे लाएं और खड़े होकर वापस आ जाएं. अब ऐसा ही बाएं पैर के साथ भी दोहराएं. टोर्सो को घुमाने से ऑब्लिक मसल्स एक्टिव होते हैं जबकि घुटने को ऊपर उठाने से पेट के निचले हिस्से के मसल्स टारगेट होते हैं. सीधा खड़े रहने से कोर टाइट रहता है और पूरी एक्टिविटी के दौरान कैलोरी बर्न होती है. 20-20 रेप्स के 3 सेट इस एक्सरसाइज के करें.

हाई-नीज रनिंग

हाई-नीज, खड़े होकर की जाने वाली कार्डियोवस्कुलर एक्सरसाइज है जो पेट के एरिया को टारगेट करता है. इस एक्सरसाइज को करने के लिए आप खड़े हों और अपने घुटने को छाती तक उठाएं और फिर पैरों को बदलते हुए जॉगिंग करें. पेट के मसल्स को एक्टिव रखने के लिए पीठ को सीधा रखें.

हाई नीज जॉगिंग से पेट के निचले हिस्से के मसल्स मजबूत होते हैं और साथ ही काफी कैलोरी बर्न होती है. जितनी तेजी से आप जॉगिंग करेंगे, उतनी ही अधिक कैलोरी बर्न होंगी.

जंपिंग जैक्स

जंपिंग जैक पेट की चर्बी से छुटकारा पाने और आपकी ओवरऑल बॉडी का फैट पर्सेंट कम करने के लिए सबसे इफेक्टिव एक्सरसाइज में से एक है. जंपिंग जैक करने के लिए सीधा खड़ा होना है और अपने हाथों को नेचुरल स्थिति में रखना है. अब जंप करते हुए अपने पैरों को फैलाएं और साथ ही अपने हाथों को सिर के ऊपर उठाएं. इसके बाद अपनी प्रारंभिक स्थितिमें आएं. ये आपका 1 रेप्स होगा. इसकी तरह से जल्दी-जल्दी 20 रेप्स करें और फिर रेस्ट करने के बाद फिर 2 और सेट करें. जंपिंग जैक्स से हार्ट रेट तेजी से बढ़ती है जिससे अधिक फैट बर्न करने में मदद मिलती है.

झुंझुनू: वीर झुंझा का 18वां प्रतिमा स्थापना दिवस 22 फरवरी को, प्रतिभाओं का होगा सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

शहर के संस्थापक वीर झुंझा का 18वां प्रतिमा स्थापना दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आगामी रविवार 22 फरवरी को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 10 बजे से झुंझार सिंह पार्क में किया जाएगा। संस्था अध्यक्ष डॉ. महेंद्र नेहरा ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी वीर झुंझा का वार्षिक समारोह भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर समाज और राष्ट्र का नाम रोशन करने वाली उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। सम्मान की श्रेणियों में सिविल सेवा के अंतर्गत UPSC RPSC एवं लष्ट से चयनित अभ्यर्थी शामिल होंगे। रक्षा सेवा में सेना में उच्च पदों पर चयनित युवाओं को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा प्रगतिशील नवाचार करने वाले पशुपालक साहित्यकार लेखक एवं समाजसेवी तथा राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों को भी सम्मान प्रदान किया जाएगा। संस्था प्रवक्ता एवं युवा मोर्चा अध्यक्ष नेशनल यूथ आइकॉन विजयहिन्द जालिमपुरा ने बताया कि स्मारक स्थल पर हुई कार्यकारिणी की बैठक में सम्मान प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि

सम्मान के इच्छुक पात्र अभ्यर्थी अपने संबंधित दस्तावेज 15 फरवरी से पूर्व संस्थान कार्यालय या संस्था के पदाधिकारियों के पास जमा करवा दें। इसके पश्चात प्राप्त होने वाली प्रविष्टियों पर विचार नहीं किया जाएगा। समारोह में जनप्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारी प्रबुद्धजन मातृशक्ति एवं युवा तरुणाई बड़ी संख्या में शिरकत करेंगे। इस दौरान संस्थान की वार्षिक गतिविधियों पर प्रकाश डाला जाएगा तथा आगामी विकास कार्यों के लिए भावी कार्ययोजना की रूपरेखा भी प्रस्तुत की जाएगी।

कोट में पूजा पब्लिक माध्यमिक स्कूल का वार्षिक उत्सव बना संस्कार, संस्कृति और सम्मान का उत्सव

भामाशाहों ने बढ़ाया शिक्षा का संबल,संस्था प्रधान ने जताया आभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड क्षेत्र के गांव कोट स्थित सुप्रसिद्ध पूजा पब्लिक माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को वार्षिक उत्सव एवं भामाशाह सम्मान समारोह भव्य गरिमा और उल्लासपूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ, जहां शिक्षा, संस्कार और संस्कृति का जीवंत संगम नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ शारदे और गणेश प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद छात्राओं की गणेश वंदना ने पूरे परिसर को श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। मंच पर उतरे विद्यार्थियों ने देशभक्ति और राजस्थानी थीम पर आधारित गीत-नृत्य

प्रस्तुत कर लोक-संस्कृति की सोंधी खुशबू बिखेरी, वहीं हास्य-व्यंग्य से सजे नाटकों ने सामाजिक सरोकारों को सहज ढंग से सामने रखते हुए उपस्थित जनसमुदाय को बांधे रखा। हर प्रस्तुति पर तालियों की गूंज बच्चों के आत्मविश्वास को नई उड़ान देती रही और विद्यालय प्रांगण उत्साह के रंगों में डूबा रहा। समारोह का भावनात्मक शिखर तब सामने आया जब क्षेत्र के भामाशाहों का सम्मान कर शिक्षा के प्रति उनके योगदान को सार्वजनिक रूप से सराहा गया। कोट क्षेत्र के युवा

भामाशाह विजय परेवा ने विद्यालय परिवार के प्रति आभार जताते हुए शिक्षा संसाधनों के विस्तार में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया और 11 हजार रुपये का नकद सहयोग भेंट किया, वहीं भामाशाह सैफ अली खां ने भी विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 16 हजार रुपये का योगदान प्रदान कर अत्यंत सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कक्षा दसवीं के 26 विद्यार्थियों को तिलक-माल्यार्पण के साथ भावुक विदाई दी गई, जहां शुभकामनाओं के बीच आंसुओं ने गुरु-शिष्य के रिश्ते की गहराई को उजागर किया। संस्था प्रधान सुरेन्द्र पारीक ने अपने संबोधन में विद्यालय की शिक्षण दृष्टि को रेखांकित करते हुए कहा कि यह संस्थान विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखता, बल्कि परिवार की तरह संस्कार, नैतिक मूल्य और अनुशासन देकर उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में स्थिर कदम रखने की शक्ति देता है। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का संयोजन जयराम चौधरी ने संभाला और मंच संचालन वेदप्रकाश प्रजापत ने सधे हुए अंदाज में किया। समापन अवसर पर संस्था प्रधान ने अतिथियों, भामाशाहों, अभिभावकों और ग्रामीणजनों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में गोविंद पारीक, छोटेलाल मीना, राजेश मीना, आशाबाई जांगिड, राजेश महावर, गौरव परेवा, पिंकी मीना सहित विद्यालय स्टाफ, अभिभावक और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विवाह को बनाया समाजसेवा का अवसर, विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने छात्रावास निर्माण हेतु दिए 5 लाख

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर/खाजूवाला।

सोहनलाल परिहार । खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने अपने सुपुत्र विदित के विवाह अवसर को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए एक प्रेरक पहल की है। 2 फरवरी को लक्ष्मी निवास पैलेस, बीकानेर में संपन्न हुए विवाह समारोह में विधायक डॉ. मेघवाल ने बीकानेर में निर्माणाधीन डॉ. अंबेडकर छात्रावास के लिए 5 लाख रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया। विवाह समारोह दारासिंह तंवर (XEn, PHED) की सुपुत्री हर्षिता के साथ पारिवारिक गरिमा एवं सादगीपूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ। इस अवसर पर विधायक डॉ. मेघवाल ने कहा कि शिक्षा ही समाज को सशक्त बनाने का सबसे बड़ा माध्यम है और छात्रावास निर्माण में दिया गया यह सहयोग जरूरतमंद विद्यार्थियों के भविष्य की मजबूत नींव बनेगा। डॉ. अंबेडकर छात्रावास कमेटी के पदाधिकारियों ने विधायक एवं उनके परिवार का आभार व्यक्त किया। संस्थान के अध्यक्ष एस.के. बेरी, सचिव सोहनलाल गोयल, मदनलाल लेखाला, नवरंग मेघवाल, डॉ. रामकिशोर मेहरा, मोडाराम कड़ेला, सुभाष चन्द्र तंवर, एल.आर. बीबान सहित अन्य सदस्यों ने इसे समाज के लिए अनुकरणीय

कदम बताया।

बीकानेर में नई परंपरा को मिल रहा समर्थन

डॉ. अंबेडकर छात्रावास कमेटी द्वारा सामाजिक आयोजनों को सेवा से जोड़ने की अपील का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। विवाह, जन्मदिन, गृह प्रवेश, मायरा जैसे मांगलिक अवसरों पर परिवारजन छात्रावास निर्माण हेतु आर्थिक योगदान दे रहे हैं। इतना ही नहीं, मृत्युभोज के स्थान पर छात्रावास निर्माण में सहयोग देने की परंपरा भी समाज में सराही जा रही है। समाज के प्रबुद्धजनों का मानना है कि इस तरह की पहल सामाजिक संसाधनों को शिक्षा और विकास की दिशा में मोड़ने का सशक्त माध्यम बन रही है।

पंचायत चुनाव-2026: राजस्थान-हरियाणा सीमा पर पुलिस अलर्ट, संयुक्त रणनीति तय

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

आगामी राजस्थान पंचायत चुनाव-2026 को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से राजस्थान-हरियाणा सीमा से जुड़े पुलिस अधिकारियों की समन्वय बॉर्डर मीटिंग पुलिस थाना पचेरी कलां में आयोजित हुई। बैठक पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन में हुई। अध्यक्षता वृत्ताधिकारी बुहाना नोपाराम भाकर ने की।?बैठक में सीमावर्ती थानों के थानाधिकारियों ने भाग लिया। चुनाव से पहले और दौरान सीमापार से होने वाली अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए संयुक्त निगरानी बढ़ाने पर सहमति बनी। तय किया गया कि विशेष गश्त, नाकाबंदी और सतत मॉनिटरिंग के जरिए सीमा क्षेत्रों पर कड़ी नजर रखी जाएगी।अधिकारियों ने वांछित अपराधियों की सूचियां आपस में साझा करने और उनकी गिरफ्तारी के लिए संयुक्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया। यदि कोई अपराधी एक राज्य में वारदात कर दूसरे राज्य में फरार होता है, तो तत्काल सूचना देकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अवैध शराब, मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी को लेकर विशेष चिंता जताई गई। इस पर प्रभावी रोकथाम के लिए संयुक्त पुलिस टीमें गठित कर सीमा क्षेत्रों में सघन गश्त और चेकिंग अभियान चलाने पर चर्चा हुई। साथ ही सीमावर्ती गांवों में सक्रिय अपराधियों और संदिग्ध गतिविधियों से जुड़ी सूचनाओं का नियमित आदान-प्रदान किया जाएगा। बैठक में बुहाना वृत्ताधिकारी के साथ सदर नारनौल, सदर महेंद्रगढ़, सतनाली, गहली चौकी, पचेरी कलां और बुहाना थानों के प्रभारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पंचायत चुनाव के दौरान किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

ग्रामीण हाट में शुरू हुआ राजसखी मेला, देश भर के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने लगाए सौ स्टॉल्स

विधायक जेठानंद व्यास ने किया शुभारंभ, कहा-अधिक से अधिक महिलाएं निभाएं भागीदारी

केंद्र और राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में कर रही ऐतिहासिक कार्य: विधायक

श्याम पंचारिया सहित अनेक गणमान्य लोग रहे मौजूद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । जिला प्रशासन तथा राजीविका के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय राजसखी बीकाणा मेला गुरुवार को जय नारायण व्यास कॉलोनी स्थित ग्रामीण हाट में शुरू हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीकानेर (पश्चिम) विधायक श्री जेठानंद व्यास थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। महिलाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में यह प्रयास मील के पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि राजसखी मेले में देश के विभिन्न क्षेत्रों से 100 से अधिक महिला स्वयं सहायता समूह

भागीदारी निभा रहे हैं। ये अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन तथा उत्पादों का विक्रय करेंगे। उन्होंने कहा कि सात दिवसीय मेले में अधिक से अधिक संख्या में महिलाओं की भागीदारी के सामूहिक प्रयास किए जाएं। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए श्याम पंचारिया ने कहा कि ऐसे अवसर महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। आर्थिक संबल से महिलाएं और अधिक सशक्त होती हैं। जो कि समाज और देश को समृद्ध करने की राह खोलता है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं किसी से कम नहीं हैं। उन्हें आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर देने की जरूरत है। जिला परिषद की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रियंका तिलानिया ने कहा कि राजीविका द्वारा महिलाओं को आगे बढ़ाने के सतत प्रयास किया जा रहे हैं। राजसखी मेले का यह अवसर महिला सशक्तिकरण के दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। राजीविका के डीपीएम दिनेश कुमार मिश्रा ने बताया कि राज सखी मेला 11 फरवरी तक आयोजित होगा। इसमें महिलाओं द्वारा हस्तनिर्मित उत्पाद, विभिन्न मूल्य संवर्धित खाद्य सामग्री, कोटा डोरिया साड़ियां, अगरबत्ती, अचार, मिट्टी के बर्तन सहित अनेक उत्पाद विक्रय के लिए रखे गए हैं। उन्होंने फूड कोर्ट और पादुका कॉर्नर के बारे में बताया और कहा कि मेले के दौरान नियमित रूप से सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित होंगी।

इस दौरान डीआईजी स्टांप मनीषा लेघा, जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक डॉ. हरिशंकर आचार्य, राजीविका के जिला प्रबंधक मणिशंकर हर्ष, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के आईईसी समन्वयक मालकोश आचार्य, कामिनी भोजक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन गोपाल जोशी ने किया। इससे पहले विधायक तथा अन्य अतिथियों ने फीता काटकर तथा दीप प्रज्वलित कर मेले का शुभारंभ किया। विधायक ने समस्त स्टॉल्स का अवलोकन करते हुए विभिन्न मूल्य संवर्धित खाद्य सामग्रियों तथा मिट्टी के बर्तन खरीदे।

शहर का कचरा गांव पर थोपा, जैतपुर में बिगड़े हालात

डंपिंग से गांव में फैली बदबू और बीमारी का डर, ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, तत्काल रोक की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । नगरपालिका क्षेत्र के ग्राम जैतपुर में शहर की साफ-सफाई के बाद निकलने वाला कचरा लंबे समय से लगातार डाले जाने से हालात बदतर होते चले गए हैं। पहले मंडावर-महवा हाइवे किनारे डंपिंग की जा रही थी, जिस पर मंडावर शहरवासियों के विरोध के बाद नगर पालिका प्रशासन ने पिछले दिनों से भारी मात्रा में जमा कचरे का विशाल अंबार जैतपुर क्षेत्र में डालना शुरू कर दिया। सड़ांध से भरे कचरे, मृत पशुओं के अवशेषों और सड़ते कचरे की तीखी दुर्गंध ने गांव का जनजीवन दूभर कर दिया है। बदबू के कारण महिलाओं और बच्चों की तबीयत बिगड़ने की शिकायतें सामने आई हैं, वहीं आवारा पशु कचरे में पड़े अवशेष मुंह में दबाकर गांव की गलियों और घरों तक ले आ रहे हैं, जिससे संक्रमण का खतरा लगातार बढ़ रहा है। हालात से आहत ग्रामीणों का धैर्य गुरुवार को टूट गया और बड़ी संख्या में महिला-पुरुष उपखंड कार्यालय पहुंचे, जहां पालिका प्रशासन द्वारा जैतपुर में की जा रही डंपिंग पर तत्काल रोक लगाने और स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग को लेकर एसडीएम अमित वर्मा को ज्ञापन सौंपा गया। ग्रामीणों का कहना है कि खुले में कचरा डालना स्वच्छता मानकों

और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का सीधा उल्लंघन है, जिससे पर्यावरण प्रदूषण के साथ गांव की सेहत पर गंभीर खतरा पैदा हो रहा है। ज्ञापन सौंपने वालों में केशन्ती देवी, अनीता मीना, ममता, चन्द्रकला, पतासी, मूली, लाली, हेमलता, बर्फी देवी, पुष्पा, बाडा देवी, रीता, पिस्ता, मंजू देवी, ललिता देवी, ज्ञानी, शांति देवी, नत्थी, छुट्नी सहित अनेक ग्रामीण महिला-पुरुष मौजूद रहे। वहीं इस गंभीर मामले को लेकर उपखंड अधिकारी अमित वर्मा से फोन पर संपर्क साधने की कई बार कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

कृषि महाविद्यालय मंडावा में पर्यावरण एवम् जनजागृति संस्थान के तत्वाधान में पर्यावरण विषय पर सेमीनार कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कृषि महाविद्यालय मंडावा ढाका का बास में पर्यावरण एवम् जनजागृति संस्थान की ओर से पर्यावरण विषय पर सेमीनार आयोजित की गई। इस अवसर पर पर्यावरण एवम् जनजागृति संस्थान के अध्यक्ष संजय शर्मा एवं स्काउट गाइड के डीओ प्रदीप ईश्वरवाल बतौर अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान अधिष्ठाता पी सी गुप्ता ने की । इस अवसर पर अधिष्ठाता पी सी गुप्ता ने महाविद्यालय परिसर व प्रत्येक छात्र को अपने घर में अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनकी देखभाल करने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर अतिथियों ओर वक्ताओं ने पर्यावरण को बचाने को लेकर कार्यक्रम के माध्यम से महा विद्यालय के छात्र छात्राओं को ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा और स्काउट गाइड प्रभारी प्रदीप ईश्वरवाल ने पर्यावरण के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि प्रकृति ने हमें सब कुछ दिया है पीने के शुद्ध पानी, स्वास लेने के लिए शुद्ध हवा,ओर खाने के लिए शुद्ध फल अन्न दिए है। लेकिन दुर्भाग्य है कि इनके बदले प्रकृति को मनुष्य ने अनमोल चीजों को दूषित कर दिया है। जिससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ चुका है। संतुलन बिगड़ने से समय पर बारिश नहीं हो रही है। समय पर बारिश नहीं होने से जीव जंतुओं ओर पशुओं का जीना कठिन हो गया है। इसलिए अगर हमें जीना है तो हमे ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने ही होगे। उन्होंने बताया पेड़ है तो जल है,पेड़ है तो जीवन है का नारा देते हुए धरती मां को खत्म होने से बचाना है। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा ने प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया । प्रश्नोत्तरी के विजेता छात्र छात्राओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

6 फरवरी को चिड़ावा, लोयल एवं परसरामपुर गिरदावर सर्किल पर लगेंगे शिविर

ग्राम उत्थान शिविर भीमसर का निरीक्षण, सहकारी योजनाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां झुंझुनूं विभा खेतान द्वारा मंडावा गिरदावर सर्किल अंतर्गत आयोजित ग्राम उत्थान शिविर भीमसर का निरीक्षण किया गया। इस दौरान भाऊ, भीमसर, शेखसर, तोलियासर तथा सीगड़ा ग्राम सेवा सहकारी समितियों के सदस्यों को विभिन्न सहकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान खेतान द्वारा शेखसर, तोलियासर एवं भीमसर ग्राम सेवा सहकारी समितियों के गोदाम एवं कार्यालय भवन के लिए भूमि चिन्हांकन, सरस पार्लर खोलने तथा जन औषधि केंद्र के संचालन से संबंधित प्रस्तावों पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। शिविर में केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड, झुंझुनूं की अधिशाषी अधिकारी सुमन चाहर, सहकारी निरीक्षक अविनाश महला सहित संबंधित समितियों के व्यवस्थापक उपस्थित रहें।

कुमास में नवनिर्मित श्री करणी माता मंदिर की मुर्ति प्राण प्रतिष्ठा 7 फरवरी को

शनिवार को सुबह 9.15 बजे शोभायात्रा नगर भ्रमण एवं कलश यात्रा एवं दोपहर 12.15 बजें से प्रसादी एवं भण्डारे का होगा आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पूनिया कुमास में नवनिर्मित श्री करणी माता मंदिर की मुर्ति प्राण प्रतिष्ठा 7 फरवरी को होगी। गांव के आम चौक के पास में करणी माता के मंदिर का निर्माण 'स्व. ठा. सा. हेम सिंह शेखावत सुपुत्र स्व. ठा. सा. धन्ने सिंह शेखावत की स्मृति में उनके सुपुत्र ठा उदय सिंह व देवी सिंह शेखावत ने करवाया है। नवनिर्मित मंदिर का उद्घाटन मुख्य अतिथि राजेन्द्र राठौड़ पुर्व कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार, नरेंद्र खिचड पुर्व सांसद झुंझुनूं, राजेन्द्र सिंह गुढ़ा पुर्व मंत्री राजस्थान विशिष्ट अतिथि मेघराज सिंह रोयल , हर्षिनी कुल्हरी भाजपा जिलाध्यक्ष झुंझुनूं होंगी। पंचायत समिति सदस्य राहुल कुमास ने

बताया कि 6 फरवरी को संतों के पावन सानिध्य में रात्रि जागरण एवं भजन संध्या महंत प्रतापपुरी विधायक पोकरण , महंत नारायणगिरी जी महाराज पीठाधीश दुदेश्वर नाथ महादेव मंदिर, डॉ गुलाब सिंह उपासक करणी माता मंदिर देशनोक, नरोत्तम दास महाराज दुर्गापुरा आश्रम सीकर के पावन सानिध्य में रात्रि जागरण व भजन संध्या होंगी दिनांक 7 फरवरी शनिवार को सुबह 9.15 बजे भव्य शोभायात्रा नगर भ्रमण एवं कलश यात्रा निकाली जाएगी एवं दोपहर 12.15 बजें से प्रसादी एवं भण्डारे का आयोजन किया जाएगा।

क्षितिज मेमोरियल पब्लिक स्कूल मैं मनाया धूमधाम से वार्षिक उत्सव

छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक किया नृत्य प्रस्तुत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । शहर में स्थित क्षितिज मेमोरियल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गुरुवार को वार्षिक उत्सव आयोजित हुआ। इस वार्षिक उत्सव समारोह में मुख्य अतिथि उदयपुरवाटी थाना प्रभारी रामपाल मीणा थे। विशिष्ट अतिथि एडवोकेट मोतीलाल सैनी, डॉ मुकेश बागड़ी, पार्षद प्रतिनिधि राकेश जमालपुरिया ,धनाराम सैनी, पार्षद माहिर खान ,कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष अकरम मुगल, केसर देव सैनी, मदनलाल सैनी, पवन सैनी आदि थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व कृषि अधिकारी रामकरण सैनी ने की। इस समारोह में छात्र-छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुत करके कार्यक्रम के चार चांद लगा दिए। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एकल नृत्य,सामूहिक नृत्य, गायन ,कविता चुटकुला एक से बढ़ एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। ?इस वार्षिक उत्सव में अतिथियों ने उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। निदेशक रमेश सैनी ने आए हुए अतिथियों व अभिभावकों का धन्यवाद देकर आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन मोहित शर्मा, राधेश्याम सैनी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की सचिव सुनीता सैनी,

सुभाष ठेकेदार, शिवकरण सैनी व समस्त स्टाफगण , अभिभावक गण और छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

रालोपा सांसद हनुमान बेनीवाल से मिला प्रतिनिधिमंडल

लोकसभा में उठेगा अवैध खनन, विस्फोट (ब्लास्टिंग) और पर्यावरण विनाश का मुद्दा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं

सुमेर मीणा । गुढ़ागौड़जी पंचायत समिति क्षेत्र के ग्राम बामलास, हुकुमपुरा, खेदड़ो की ढाणी एवं खरबासों की ढाणी में अवैध खनन एवं अत्यधिक ब्लास्टिंग के विरोध में चल रहा धरना आज 38वें दिन भी कड़ाके की ठंड के बीच लगातार जारी रहा।खनन विभाग, पुलिस प्रशासन एवं धरनार्थियों के बीच हुई वार्ता एक बार फिर बे-नतीजा रही। प्रशासन की ओर से कोई ठोस आश्वासन अथवा प्रभावी कार्यवाही नहीं होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। बुधवार देर रात्रि धरनार्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल एडवोकेट जयन्त मूण्ड के नेतृत्व में दिल्ली स्थित राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के सांसद हनुमान बेनीवाल के आवास पर पहुँचा और उन्हें पूरे प्रकरण से विस्तारपूर्वक अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि खनन लीज़ क्षेत्रों में की जा रही भीषण ब्लास्टिंग के कारण आसपास के लगभग 200 से अधिक मकानों में गहरी दरारें आ चुकी हैं, वहीं 40 से अधिक ट्यूबवेल पूरी तरह धराशायी हो गए हैं जिससे गंभीर पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है।

खनन गतिविधियों के कारण क्षेत्र का पर्यावरण भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। दिन-रात चल रही भारी मशीनरी से धूल-प्रदूषण, कंपन एवं शोर के कारण आमजन का सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। बच्चों, बुजुर्गों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठे हैं। उदयपुरवाटी का स्थानीय खनन व वन प्रशासन, गुढागौड़जी तहसीलदार एवं झुन्झुनू खनन अभियंता की साठगांठ से माफिया पनप रहे है। इस अवसर पर एडवोकेट जयन्त मूण्ड ने उदयपुरवाटी क्षेत्र के ग्राम गिरावड़ी का गंभीर मुद्दा भी सांसद के समक्ष रखा। उन्होंने अवगत कराया कि गिरावड़ी में भैरु जी भगवान की पुरानी बणी में पावर ग्रिड कंपनी के पिलर्स लगाने के लिए हजारों हरे-भरे पेड़ों की कटाई की जा रही है जिसके विरोध में ग्रामीणों द्वारा पिछले एक माह से धरना चल रहा है। यह मामला न केवल आस्था से जुड़ा है बल्कि पर्यावरण संरक्षण से भी सीधे तौर पर संबंधित है।

सांसद हनुमान बेनीवाल ने दोनों ही मामलों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि अवैध खनन, नियमों के उल्लंघन, अत्यधिक ब्लास्टिंग तथा पर्यावरण विनाश के इन प्रकरणों को लोकसभा में प्रमुखता से उठाया जाएगा तथा उच्च स्तरीय जांच की मांग की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मरुप्रदेश में खेजड़ी के पेड़ हों या अन्य हरे-भरे वृक्ष, पहाड़ हों या नदियां, किसी भी प्राकृतिक संसाधन के दोहन की इजाजत नहीं दी जाएगी। जनता के जीवन, संपत्ति, आस्था और पर्यावरण से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। इस प्रतिनिधिमंडल में पूर्व सरपंच दारासिंह मेघवंशी, प्रदीप यादव, लीलाधर मीणा एवं बंटी नेहरा उपस्थित रहे।

नीमराना पुलिस की बड़ी कार्रवाईः अवैध देसी शराब बेचते युवक गिरफ्तार, 44 पव्वे बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना । थाना पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात एक युवक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पॉलिटेक्निकल कॉलेज के पास खुलेआम देसी शराब बेच रहे आरोपी को पकड़कर उसके कब्जे से 44 पव्वे देसी शराब बरामद किए हैं। थाना पुलिस के अनुसार गश्त के दौरान सूचना मिली कि पॉलिटेक्निकल कॉलेज के आसपास अवैध रूप से शराब की बिक्री की जा रही है। सूचना पर तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से देसी शराब के 44 पव्वे बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अरुण कुमार उर्फ कैलाश कोरी पुत्र छोटेलाल, जाति कोरी, निवासी गुढा, थाना निथौलीकला, जिला एटा (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

गिरदावर सर्किल पर आयोजित होंगे ग्राम उत्थान शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले किसानों, पशुपालकों व नागरिकों की समस्याओं का निदान गांव में ही हो, इस बात को लेकर गिरदावर सर्किल पर एक दिवसीय विशेष ग्राम उत्थान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। जिले में 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर इन शिविरों की शुरूआत की गई है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार झुंझुनूं जिले में प्रत्येक गिरदावर सर्किल पर प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक ग्राम उत्थान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। इसमें कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारिता, जल संसाधन, ऊर्जा, उद्योग, आपदा प्रबंधन, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज सहित संबंधित विभागों की सहभागिता से कृषकों एवं पशुपालकों सहित ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करवाते हुए लाभान्वित किया जायेगा।

6 फरवरी को इन गिरदावर सर्किल पर लगेंगे शिविर

तिरुपति आए पद्मावती के लिए रवाना हुए 970 वरिष्ठ नागरिक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । देवस्थान विभाग द्वारा हनुमानगढ़ से वाया बीकानेर एवं जोधपुर तिरुपति एवं पद्मावती के लिए 970 यात्रियों को लेकर ट्रेन गुरुवार को रवाना हुई। इस निशुल्क तीर्थ यात्रा में यात्रियों की सुविधा के लिए कुल 28 अनुरक्षक, 1 चिकित्सक, 2 नर्सिंग स्टाफ और 1 ट्रेन प्रभारी साथ में रहेंगे। बीकानेर एवं चूरू जिले के कुल 235 यात्री बीकानेर स्टेशन से रवाना हुए। विभाग की निरीक्षक सोनिया रंगा ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए देवस्थान विभाग द्वारा 6 नंबर प्लेटफॉर्म के आगे टेंट लगाया गया। इस दौरान विभाग से महेश शर्मा, रितेश श्रीमाली, गोपाल आचार्य, राहुल कसेरा, सोनू शर्मा, अनसूया पुरुषोत्तम, संदीप और अभिषेक ने टिकट बनाकर यात्रियों को ट्रेन में बिठाया। देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गौरव सोनी के

निर्देशन में यह कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि यह संपूर्ण यात्रा निशुल्क है। इसमें यात्रियों की खाने-पीने रहने व घूमने की सभी व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की गई है।

नीमराना अभिभाषक संघ का आंदोलन तेज, 24वें दिन भी जारी रही हड़ताल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना - एडीजे (ADJ) कोर्ट और एसीजेएम (ACJM) कोर्ट खोलने की मांग को लेकर 'नीमराना अभिभाषक संघ' का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। बुधवार को वकीलों की कलम बंद हड़ताल और धरना 24वें दिन भी जारी रहा। नीमराना बार संघ के अध्यक्ष उदय सिंह यादव ने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार क्षेत्र में उच्च अदालतों (ADJ और ACJM) की स्थापना की मांग को स्वीकार नहीं कर लेती, तब तक यह हड़ताल समाप्त नहीं होगी। वकीलों का कहना है कि नीमराना जैसे औद्योगिक हब में अदालतों के अभाव के कारण पक्षकारों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे न्याय मिलने में देरी और आर्थिक नुकसान होता है।नीमराना के वकीलों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो वे अपने आंदोलन को और अधिक उग्र रूप देंगे। धरने में शामिल होने

वालों में नवीन बाला यादव, वीर सिंह यादव, मुकेश यादव, मुकेश शर्मा, विजय चौहान, अशोक निमोरिया, सतीश निमोरिया, पीतांबर सिंह, प्राण सूख सैनी, जितेंद्र सांवरिया, नोपेन्दर शर्मा, जितेंद्र जांगिड़, सुभाष चंद, अमित ओला, राजू शर्मा, राकेश यादव, अरविंद यादव, धर्मेंद्र यादव, ज्योति शर्मा, शमशेर, सुरेश कुमार, देवेंद्र सिंह, अमित सोनी, शीशराम यादव, शीतल यादव, कृष्णा कुमार, नवीन वड़सीवाल, अंशुल कुमार, योगेश टाइपिस्ट आदि शामिल थे।

फतेहाबाद में नशा मुक्ति अभियान को मिला जनसमर्थन, अग्रवाल सभा ने दी 50 हजार रुपए की दवाइयाँ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

जिला फतेहाबाद में नशा मुक्ति की मुहिम अब जनआंदोलन का रूप लेती दिख रही है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन की संवेदनशील एवं दूरदर्शी पहल के तहत चलाए जा रहे 'ऑपरेशन जीवन ज्योति' अभियान ने न केवल नशा तस्करों पर सख्ती की है, बल्कि नशा ग्रस्त युवाओं के उपचार और पुनर्वास को भी प्राथमिकता दी है। फतेहाबाद पुलिस द्वारा एक ओर जहां सैकड़ों नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है, वहीं दूसरी ओर नशा मुक्ति टीम लगातार युवाओं से संपर्क कर उनका मनोबल बढ़ा रही है, उन्हें उपचार उपलब्ध करा रही है और सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित कर रही है। अभियान के तहत अब तक अनेक युवाओं को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालकर मुख्यधारा से जोड़ा गया है। इसी मुहिम को समाज का भी व्यापक समर्थन मिल रहा है। अग्रवाल सभा ने अनुकरणीय पहल करते हुए नशा ग्रस्त युवाओं के उपचार हेतु लगभग रू50,000 मूल्य की होम्योपैथिक एवं एलोपैथिक दवाइयाँ उपलब्ध करवाईं। अग्रवाल सभा के प्रधान सुभाष गर्ग ने अपने निजी खर्च से पुलिस लाइन फतेहाबाद स्थित सभागार में दवाइयों का वितरण किया। इन दवाइयों का उपयोग नशा पीड़ित युवाओं के उपचार और पुनर्वास में किया जाएगा।

कार्यक्रम में नशा मुक्ति टीम प्रभारी उपनिरीक्षक

सुंदर लाल, अग्रवाल सभा के पूर्व सचिव सुशील कुमार बंसल सहित अन्य सदस्य एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने अग्रवाल सभा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नशा ग्रस्त युवा समाज का भविष्य हैं और उन्हें दंड नहीं, बल्कि सहयोग, संवेदना और सही मार्गदर्शन की आवश्यकता है। उन्होंने अन्य सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों से भी इस अभियान में आगे आकर सहयोग देने का आह्वान किया। नशा मुक्ति अभियान में सहयोग के इच्छुक व्यक्ति मोबाइल नंबर 94165-51738 पर संपर्क कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं।

कर्मचारियों के तबादलों को लेकर नेताओं की सिफारिशों से परेशान बिजली विभाग

एसई ने जारी किये कई आदेश व हिदायतें , कहा सिफारिश करवाने वाले कर्मचारियों पर होगी विभागीय कार्रवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । नेताओं की सिफारिशों और लगातार आ रहे फोन कॉल से परेशान होकर दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के फतेहाबाद स्थित सुपरिटेंडेंट इंजीनियर (एसई) ने कर्मचारियों के तबादलों को लेकर कड़े आदेश जारी किए हैं। एसई ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी कर्मचारी द्वारा सिफारिश कराए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। जारी पत्र में कहा गया है कि निगम में कार्यरत कर्मचारियों के स्थानांतरण केवल ऑनलाइन ट्रांसफर नीति के तहत ही किए जाएंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति या राजनेता का फोन करवाने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस संबंध में आदेशों की प्रति फतेहाबाद व टोहाना के कार्यकारी अभियंताओं (एक्सईएन) को भी भेजी गई है। एसई ने आदेश में स्पष्ट किया है कि वर्तमान ट्रांसफर नीति के तहत इस कार्यालय को किसी भी कर्मचारी का तबादला करने का अधिकार नहीं है। साथ ही एचके आरएन नीति के अंतर्गत नियुक्त कर्मचारियों के तबादले भी यहां से नहीं किए जा सकते। आदेश में हरियाणा सिविल सेवा (सरकारी कर्मचारी आचरण) नियम, 2016 के नियम 26 का हवाला देते हुए कहा गया है कि कोई भी सरकारी कर्मचारी अपने सेवा संबंधी मामलों, जैसे तबादला या पदोन्नति, के लिए राजनीतिक या अन्य किसी प्रभाव का सहारा नहीं ले सकता। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। एसई ने यह आदेश इसलिए जारी किए हैं क्योंकि विभाग को शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ कर्मचारी अपने तबादले रुकवाने या मनचाही जगह पोस्टिंग पाने के लिए नेताओं और प्रभावशाली व्यक्तियों से सिफारिश करवा रहे हैं, जो निगम व सरकार की नीतियों के विरुद्ध है। इसके अलावा एसई ने निर्देश दिए हैं कि इन आदेशों को नोटिस बोर्ड और आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सभी कर्मचारियों तक अनिवार्य रूप से पहुंचाया जाए, ताकि भविष्य में नियमों की अनदेखी न हो।

फतेहाबाद कांग्रेस पार्टी ने स्वरूप किया प्रदर्शन व दिया धरना

मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में कांग्रेस ने किया विशाल प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । मनरेगा योजना का नाम बदलने के विरोध में कांग्रेस पार्टी की ओर से धरना- प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अरविंद शर्मा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने लघु सचिवालय के बाहर स्थित पार्क में धरना देकर केंद्र सरकार के निर्णय के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। धरने में विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया और टोहाना विधायक परमवीर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। धरने को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मनरेगा कोई साधारण योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों के लिए रोजगार और आजीविका का मजबूत सुरक्षा कवच है। इसका नाम बदलना जनता की भावनाओं और योजना की मूल भावना के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार योजनाओं के नाम बदलकर अपनी राजनीतिक पहचान थोपने का प्रयास कर रही है। वक्ताओं ने कहा कि जमीनी स्तर पर रोजगार सृजन और मजदूरी भुगतान जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार गंभीर नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा में 60 प्रतिशत अंशदान राज्य सरकारों पर डालने का प्रावधान किया गया है, जबकि अधिकांश राज्य पहले से ही कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। ऐसी स्थिति में राज्य सरकारों के लिए योजना को प्रभावी ढंग से लागू करना कठिन हो जाएगा,जिससे सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं। धरना-प्रदर्शन में करीब सौ से अधिक कार्यकर्ता शामिल हुए और इस दौरान सरकार विरोधी नारे लगाए गए। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयपाल लाली, युवा अध्यक्ष संजय बिश्नोई, गुलबहार सिंह एडवोकेट, मंगत राम लालवास, उपाध्यक्ष पवन कुमार, महासचिव रणधीर जांगू, घनश्याम आनंद, बलतेज रामगढिया, सचिव देवराज हड़ौली, मा. सतबीर सिंह, सुशील बिश्नोई, मा. गुलाब सिंह,

कौर सिंह, गुरविन्द्र जोहल, टेकचंद बागड़ी, नरेन्द्र तरड़, वरिष्ठ एडवोकेट प्रवीण राणा भूना,नरेश सोनी एडवोकेट, एडवोकेट सीताराम बेनीवाल, श्याम सुंदर बंसल, कल्याण सिंह, पूर्व जिला पार्षद अजय मेहता, एडवोकेट संतकुमार दुटेजा, भीम नारंग, रूलीराम पूर्व सरपंच, प्रेम लता, सतीश कुमार, सुखदेव सिंह बाजवा अहरवां, हरपाल बैनीवाल, गुरसेवन सिंह पूर्व सरपंच, गुरजिन्द्र जोहल, हरजिन्द्र जिन्दी, वासु गोयल, पूनमचंद रत्ति, राजपाल भाम्भू, अंकित कम्बोज भूना, अंकित चमारखेड़ा, ईश्वर भुक्कूल, सुभाष चन्द्र सहरावत भोडियाखेड़ा, महावीर, कोहर सिंह, बलदेव सिंह, गौरव मेहता, अजय कादियान, सन्नी खुराना, महेन्द्र, सीताराम बैनीवाल, रामतीर्थ, मनोहर लाल पूर्व सरपंच, चन्द्रभान मेहता भूना आदि मौजूद हे।

हरियाणा रोडवेज का 12 फरवरी को रहेगा चक्का जाम, निजीकरण और लेबर कोड के खिलाफ फूका बिगुल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/टोहाना।

रजत विजय रंगा । हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन ने सरकार की नीतियों के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। गुलामी के दस्तावेज कहे जाने वाले चार लेबर कोड बिल और रोडवेज के निजीकरण के विरोध में 12 फरवरी को रोडवेज कर्मचारियों द्वारा बसों का चक्का जाम किया जाएगा। हड़ताल की तैयारियों को लेकर रोडवेज कर्मचारियों द्वारा फतेहाबाद डिपो के गेट पर मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग में राज्य महासचिव सुमेर सिवाच और वरिष्ठ उप प्रधान शिव कुमार सोराण ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए हड़ताल की तैयारियों का जायजा

लिया। बैठक को राज्य सचिव सुबे सिंह धनाना, फतेहाबाद डिपो प्रधान राजकुमार बीघड़, सुरेन्द्र कुमार ने भी संबोधित किया। रोडवेज नेताओं ने कहा कि 12 फरवरी को सभी लिपिक भी हड़ताल पर रहेंगे और चालक- परिचालक भी मैकेनिक व निरीक्षकों के साथ हड़ताल में शामिल होंगे। रोडवेज नेताओं ने निजीकरण व कर्मचारी-? - मजदूर विरोधी चारों लेबर कोड्स को रद्द करने के अलावा आठवीं वेतन आयोग का गठन, समान काम-समान वेतन, पुरानी पेंशन बहाली, सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग की। उन्होंने कहा कि आठवें वेतन आयोग का गठन कर चालकों का वेतनमान 53,100 और परिचालक / लिपिकों का 35, 400 सुनिश्चित हो, तबादला नीति रदद कर चालक-परिचालकों का आपसी स्थानांतरण किया जाए। खाली पदों पर प्रमोशन हो । महानिदेशक के साथ हुई बातचीत में मानी गई मांगों को लागू किया जाए। रोडवेज बेड़े में 10 हजार नई सरकारी बसें शामिल की जाए। इसके अलावा रोडवेज कर्मचारियों की अन्य मांगों का भी तुरंत समाधान किया जाए। महासचिव सुमेर सिवाच ने बताया कि 2025 और 2026 में महानिदेशक के साथ हुई कई दौर की वार्ताओं में सहमति बनने के बावजूद अभी तक एक भी पत्र जारी नहीं किया गया । उन्होंने कहा कि चालकों- परिचालकों का पे-ग्रेड बढ़ाने, रात्रि ठहराव भत्ता देने और 10 वर्ष के बकाया बोनस जैसे मुद्दों पर सरकार केवल कोरा आश्वासन दे रही है। रोडवेज नेताओं ने कहा कि रोडवेज कर्मचारी 12 फरवरी को देश के किसानों और मजदूरों के साथ मिलकर प्रदेशव्यापी पूर्ण हड़ताल और चक्का जाम करेंगे। इसके बाद 22 फरवरी को परिवहन मंत्री के कैंप कार्यालय पर मास डेपुटेशन के रूप में हजारों कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा।

वीर झुंझा का प्रतिमा स्थापना दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 22 को

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

झुंझुनूं संस्थापक वीर झुंझा का प्रतिमा स्थापना दिवस समारोह रविवार 22 फरवरी को प्रात 10 बजे से झुंझार सिंह पार्क में आयोजित किया जाएगा। संस्था अध्यक्ष डॉ महेंद्र नेहरा ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी झुंझा का 18वा वार्षिक समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसके साथ विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रतिभाओ का सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा। जिसमें गत सत्र की ह्रश्वह्राष्, ह्रश्वह्राष्, ह्वद्दष् द्वारा सिविल सेवा में चयनित अभ्यर्थी, रक्षा क्षेत्र सेनाओं में उच्च स्तरीय चयनित अभ्यर्थी, प्रगतिशील नवाचार पशुपालक, साहित्यकार/ लेखक, समाज सेवा तथा राष्ट्रीय खेलों में पदक विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा। संस्था प्रवक्ता एवं युवा मोर्चा अध्यक्ष नेशनल यूथ आइकॉन वकील विजयहिन्द जालिमपुरा ने बताया कि आज स्मारक स्थल पर हुई कार्यकारिणी की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रतिभाओं को अपने संबंधित दस्तावेज 15 फरवरी से पूर्व संस्थान कार्यालय तथा संस्था के पदाधिकारियों को जमा करवाने होंगे उसके पश्चात प्रविष्टियां स्वीकार नहीं की जाएगी, समारोह में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, प्रबुद्धजन, महिलाएं, युवा तरुणाई एवं गणमान्यजन उपस्थित रहेंगे जिनकी उपस्थित में संस्थान के कार्य और गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए भावी कार्ययोजना बनाई जाएगी।

मोक्षधाम भूतनाथ महादेव कि मूर्ति स्थापना आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिराना।

चिराना में स्थित मोक्षधाम में नवनिर्मित श्री भूतनाथ मंदिर में भगवान शिव कि भूतनाथ स्वरूप की मूर्ति स्थापना शुक्रवार को दोपहर सवा एक बजे किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक चेतन कुमावत व मोक्षधाम समिति के व्यवस्थापक अनील बारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मूर्ति अनावरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल होंगे तथा डॉ गणेश दास बैरागी ऋषिकेश देवाचार्य पीठ किरोड़ीधाम के पावन सानिध्य में विधिवत पूजा अर्चना के साथ अनावरण होगा।इस पुण्य कार्य में समस्त ग्रामवासी की सादर उपस्थित हेतु विकास कुमावत राकेश कुमावत ने आने का आग्रह किया है।

सलीमपुर की बेटी योगिता कटारिया ने यूजीसी नेट परीक्षा की उत्तीर्ण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

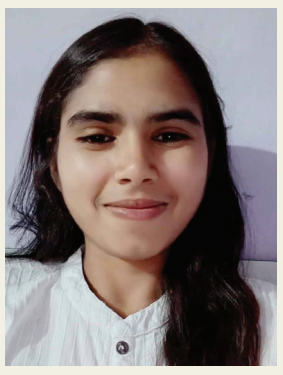

मनोज बुलाण । अटेली क्षेत्र के गांव सलीमपुर की प्रतिभाशाली बेटी योगिता कटारिया ने पर्यावरण विज्ञान विषय में यूजीसी नेट परीक्षा 88.5 प्रतिशत के साथ उत्तीर्ण कर अटेली क्षेत्र व जिले का नाम रोशन किया है योगिता की इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। योगिता के चाचा प्रमोद कटारिया ने जानकारी देते हुए बताया कि योगिता वर्तमान में सेंट्रल यूनिवर्सिटी हरियाणा से पर्यावरण विज्ञान विषय में पीएचडी कर रही है। उन्होंने बताया कि योगिता बचपन से ही मेधावी छात्रा रही है और लगातार मेहनत व लग्न के बल पर उसने यह मुकाम हासिल किया है। योगिता कटारिया ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, बुजुर्गों एवं गुरुजनों के मार्गदर्शन और आशीर्वाद को दिया। उन्होंने कहा कि मेहनत,अनुशासन और सकारात्मक सोच से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वहीं योगिता की इस उपलब्धि पर गांव व क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों और सामाजिक संगठनों ने खुशी व्यक्त करते हुए उसे उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

फर्जी DigiLocker ऐप से सावधान : दस्तावेज़ चोरी व साइबर ठगी का बड़ा खतरा

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने जारी की साइबर सुरक्षा एडवाइजरी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने नागरिकों को फर्जी डीजीलोकर मोबाइल ऐप के माध्यम से हो रही साइबर ठगी को लेकर सतर्क करते हुए एक महत्वपूर्ण साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि डीजीलोकर भारत सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक डिजिटल वॉलेट है, जिसमें नागरिक अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र सहित अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित रखते हैं। एसपी ने बताया कि हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा चेतावनी जारी की गई है कि गूगल प्ले स्टोर पर डीजीलोकर के नाम से मिलते-जुलते कई फर्जी ऐप उपलब्ध हैं, जो देखने में बिल्कुल सरकारी ऐप जैसे प्रतीत होते हैं, लेकिन इनका उद्देश्य केवल नागरिकों की व्यक्तिगत, वित्तीय व पहचान संबंधी जानकारी चोरी करना है।

फर्जी डीजीलोकर ऐप से होने वाले संभावित खतरे

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ऐसे फर्जी ऐप्स के जरिए साइबर अपराधी नागरिकों की पूरी डिजिटल पहचान तक पहुंच बना लेते हैं, जिससे

पहचान चोरी

- बैंक व UPI फ्रॉड
- फर्जी लोन या सिम जारी होना
- डिवाइस में मालवेयर इंस्टॉल
- दस्तावेज़ों की जालसाजी
- डेटा बेचने या ब्लैकमेलिंग जैसी गंभीर घटनाएं हो सकती हैं।

फर्जी ऐप की पहचान कैसे करें

एसपी सिद्धांत जैन ने बताया कि असली DigiLocker ऐप की पहचान के लिए नागरिक निम्न बातों पर विशेष ध्यान दें–

- ऐप डेवलपर का नाम केवल National e-Governance Division / Government of India होना चाहिए।
- ऐप की डाउनलोड संख्या लाखों में होती है।
- स्पेलिंग, लोगो और इंटरफेस में किसी भी प्रकार की गलती न हो।
- ऐप केवल आधिकारिक वेबसाइट या गूगल प्ले स्टोर के सत्यापित लिंक से ही डाउनलोड करें।

अगर गलती से फर्जी ऐप इंस्टॉल हो जाए तो क्या करें

- तुरंत ऐप डिलीट करें
- DigiLocker, बैंकिंग, UPI और ई-मेल के पासवर्ड बदलें
- मोबाइल को एंटी-मालवेयर से स्कैन करें
- बैंक स्टेटमेंट व ट्रांजेक्शन पर नजर रखें
- किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत 1930 हेल्पलाइन या www.cybercrime.gov.in पर दें

पुलिस अधीक्षक की अपील

एसपी सिद्धांत जैन, आईपीएस ने कहा– 'सरकारी नाम और लोगो देखकर किसी भी ऐप पर आंख बंद कर भरोसा न करें। थोड़ी सी सतर्कता आपकी पहचान, पैसा और भविष्य को सुरक्षित रख सकती है।' उन्होंने नागरिकों से अपील की कि स्वयं जागरूक रहें और अपने परिवार, मित्रों व परिचितों को भी साइबर ठगी के इन नए तरीकों के बारे में अवश्य जानकारी दें।

सुजापुर के नरेंद्र यादव नीट परीक्षा की उत्तीर्ण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व प्रदेश सह मंत्री व सुजापुर के नरेंद्र यादव ने इतिहास विषय में नीट परीक्षा पास की हैं। नरेंद्र यादव इससे पहले संघ एवं राज्य लोकसेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा भी पास कर चुके हैं वह पावर लिफ्टिंग में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक विजेता रह चुके हैं। नरेंद्र यादव लंबे समय से दिल्ली में कोचिंग संस्थान चला रहे हैं शिक्षण कार्य कर रहे हैं। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय अपने पिता अमरचंद यादव के धैर्य एवं विश्वास और अपनी मां मुकेश देवी, बहन सुनीता को दिया हैं।

सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार के प्रयासों से सूरजगढ़ के काजला व डांगर गांव में बनेंगे दो नए ट्यूबवेल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

सूरजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में पेयजल समस्या के समाधान की दिशा में बड़ी पहल हुई है। सूरजगढ़ के लोकप्रिय विधायक श्रवण कुमार के प्रयासों से विधानसभा क्षेत्र के काजला एवं डांगर गांव में दो नए ट्यूबवेल निर्माण को प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुसार दोनों गांवों में 200 एमएम व्यास के नए ट्यूबवेल लगाए जाएंगे। काजला गांव के लिए 17.74 लाख रुपये तथा डांगर गांव के लिए 18.60 लाख रुपये की लागत प्रस्तावित है। कुल मिलाकर लगभग 36 लाख रुपये की इस योजना से ग्रामीणों को स्थायी राहत मिलने की उम्मीद है। नगर कांग्रेस कमेटी सिंघाना अध्यक्ष

डी पी सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्य विधायक श्रवण कुमार की सतत मांग और प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से क्षेत्र में पेयजल संकट बना हुआ था, जिसे विशेष प्रयास कर स्वीकृति की दिशा में आगे बढ़ाया गया। ग्रामवासियों ने विधायक का आभार जताते हुए कहा कि ट्यूबवेल निर्माण से काजला और डांगर सहित आसपास के ग्रामीणों को स्वच्छ व पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में सूरजगढ़ विधानसभा क्षेत्र में और भी जनहितकारी योजनाएं स्वीकृत होंगी।

हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना-महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम: डीसी

महिलाओं को उपलब्ध करवाया जा रहा पांच लाख रुपए तक का ऋण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । हरियाणा सरकार द्वारा महिला विकास निगम के माध्यम से हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना शुरू की हुई है। योजना के तहत महिलाओं को बैंकों के माध्यम से 5 लाख रुपए तक का ऋण उपलब्ध करवाते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम बढ़ाए जा रहे हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना शुरू की है। इस योजना के तहत जिला रेवाड़ी के लिए 2025-26 में 48 केस का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत डेयरी, उद्योग विभाग की सूची में शामिल नकारात्मक गतिविधियों तथा केवीआईबी को छोड़कर अन्य सभी गतिविधियां शामिल है। इन गतिविधियों में यातायात वाहन के तहत ऑटो रिक्शा, छोटा सामान ढ़ोने के वाहन, थ्री व्हीलर, ई रिक्शा, टैक्सी, सामाजिक व व्यक्तिगत सेवा

गतिविधियों के तहत सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटीक, फोटोस्टेट की दुकान, पापड़ बनाना, आचार बनाना, हलवाई की दुकान, फूड स्टाल, आइसक्रीम बनाने की यूनिट, बिस्कुट बनाना, टिफिन् सर्विस, मिट्टी के बर्तन आदि बनाने का काम शुरू कर सकती है। डीसी ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए महिला की वार्षिक आय पांच लाख रुपए से कम व हरियाणा की स्थायी निवासी होनी चाहिए। ऋण के लिए आवेदक के समय महिला उद्यमी की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी आवश्यक है। आवेदक पहले से लिए गए ऋण का डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। योजना के तहत समय पर किस्त का भुगतान करने पर तीन वर्षों तक सात प्रतिशत ब्याज अनुदान राशि हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से दी जाएगी।

आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज

योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन पत्र के साथ परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट फोटो, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, ट्रेनिंग प्रमाण पत्र/अनुभव प्रमाण पत्र आदि दस्तावेज शामिल हो तथा सभी दस्तावेजों की दो- दो कॉपी होनी चाहिए। योजना के बारे में अन्य जानकारी के लिए हरियाणा महिला विकास निगम कार्यालय रेवाड़ी व कार्यालय के दूरभाष नंबर 01274-225294 पर संपर्क कर सकते हैं।

फर्जी DigiLocker ऐप से रहे सावधान : दस्तावेज़ चोरी व साइबर ठगी का बड़ा खतरा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । रेवाड़ी के पुलिस अधीक्षक हेमेन्द्र कुमार मीणा ने नागरिकों को फर्जी DigiLocker मोबाइल ऐप के माध्यम से हो रही साइबर ठगी को लेकर सतर्क करते हुए एक महत्वपूर्ण साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि DigiLocker भारत सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक डिजिटल वॉलेट है, जिसमें नागरिक अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र सहित अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित रखते हैं। एसपी ने बताया कि हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा चेतावनी जारी की गई है कि गूगल प्ले स्टोर पर DigiLocker के नाम से मिलते-जुलते कई फर्जी ऐप उपलब्ध हैं, जो देखने में बिल्कुल सरकारी ऐप जैसे प्रतीत होते हैं, लेकिन इनका उद्देश्य केवल नागरिकों की व्यक्तिगत, वित्तीय व पहचान संबंधी जानकारी चोरी करना है।

फर्जी DigiLocker ऐप से होने वाले संभावित खतरे

श्री मीणा ने बताया कि ऐसे फर्जी ऐप्स के जरिए साइबर अपराधी नागरिकों की पूरी डिजिटल पहचान तक पहुंच बना लेते हैं, जिससे पहचान चोरी, बैंक व UPI फ्रॉड, फर्जी लोन या सिम जारी होना, डिवाइस में मालवेयर इंस्टॉल, दस्तावेजों की जालसाजी, डेटा बेचने या ब्लैकमेलिंग जैसी गंभीर घटनाएं हो सकती हैं।

फर्जी ऐप की पहचान कैसे करें

एसपी हेमेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि असली DigiLocker ऐप की पहचान के लिए नागरिक निम्न बातों पर विशेष ध्यान दें -

* ऐप डेवलपर का नाम केवल National e-Governance Division / Government of India होना चाहिए।
* ऐप की डाउनलोड संख्या लाखों में होती है।
* स्पेलिंग, लोगो और इंटरफेस में किसी भी प्रकार की गलती न हो।
* ऐप केवल आधिकारिक वेबसाइट या गूगल प्ले स्टोर के सत्यापित लिंक से ही डाउनलोड करें।

अगर गलती से फर्जी ऐप इंस्टॉल हो जाए तो क्या करें

* तुरंत ऐप डिलीट करें
* DigiLocker, बैंकिंग, PI और ई-मेल के पासवर्ड बदलें
* मोबाइल को एंटी-मालवेयर से स्कैन करें
* बैंक स्टेटमेंट व ट्रांजेक्शन पर नजर रखें
* किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत 1930 हेल्पलाइन या www.cybercrime.gov.in पर दें

पुलिस अधीक्षक की अपील

* **एसपी हेमेन्द्र कुमार मीणा ने कहा-** 'सरकारी नाम और लोगो देखकर किसी भी ऐप पर आंख बंद कर भरोसा न करें। थोड़ी सी सतर्कता आपकी पहचान, पैसा और भविष्य को सुरक्षित रख सकती है।' उन्होंने नागरिकों से अपील की कि स्वयं जागरूक रहें और अपने परिवार, मित्रों व परिचितों को भी साइबर ठगी के इन नए तरीकों के बारे में अवश्य जानकारी दें।

आदमपुर हवाई अड्डे को संत रविदास महाराज के नाम पर समर्पित करना एक सराहनीय कार्य-रामनिवास सरपंच खेड़ी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पंजाब स्थित आदमपुर हवाई अड्डे को श्री गुरु रविदास महाराज के नाम पर समर्पित करने के निर्णय को एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भाजपा अनुसूचित जाति जिला महामंत्री चौ. रामनिवास सरपंच खेड़ी ने प्रेस को जारी एक बयान में प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित समस्त एनडीए सरकार ने हवाई अड्डे का नामकरण कर गुरु जी के दर्शन को आगे बढ़ाया है। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती के पावन अवसर पर लिया गया यह निर्णय अत्यंत सराहनीय और ऐतिहासिक है, संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने अपने जीवन से समानता, करुणा और सेवा का जो संदेश दिया, वह आज भी समाज को दिशा और प्रेरणा प्रदान करता है। जब से केंद्र व प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है, अनुसूचित जाति के वर्ग के साथ महान पुरूषों के लिए विशेष कार्य किये जा रहे है। भारत वर्ष के पहले ऐसे प्रधानमंत्री है जो संत -महात्माओं को सम्मान देने का कार्य किया है।

ब्रह्मलीन महंत श्री चंद्रनाथ महाराज के 41वें पर बगड़ धाम में हुआ धार्मिक कार्यक्रम

देश भर से पहुंचे साधु संतों और भक्तों ने समाधि पर किए श्रद्धा सुमन अर्पित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । नाथ संप्रदाय के महान संत बाबा श्री गरीबनाथ के उत्तराधिकारी परमहंस बाबा गोपाल नाथ जी महाराज के शिष्य तथा श्री चंद्रनाथ योगाश्रम बगड़ धाम के संस्थापक महान संत बाबा चंद्रनाथ महाराज के देवलोक गमन उपरांत बुधवार को हवन यज्ञ के साथ उनके 41 वें पर दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाबा गोपाल नाथ जन कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष तथा श्री चंद्रनाथ योगाश्रम बगड़ धाम के नवनियुक्त गद्दी महंत योगी भानी नाथ महाराज ने बताया कि बाबा चंद्रनाथ महाराज के 41 वें पर आयोजित दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम के तहत बुधवार 4 फरवरी की सुबह हवन यज्ञ में साधु संतों ने आहुतियां दी। वहीं गुरुवार 5 फरवरी को समाधि पूजन व हवन में पूर्ण आहुति के साथ कन्या भोजन और भंडारा प्रसाद का आयोजन किया गया। जिसमें देश भर के विभिन्न स्थानों से सैकड़ो साधु संतों और हजारों भक्तों ने भाग लिया। तमाम साधु संतों और भक्तों ने बाबा श्री चंद्रनाथ महाराज की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर नाथ संप्रदाय में दिये गये उनके योगदान को याद किया। मंदिर के भक्त व रेवाड़ी निवासी प्रतिष्ठित समाजसेवी रमेश ठेकेदार और मास्टर जगदीश चंद्रनाथ ने बताया कि बाबा चंद्रनाथ महाराज सामधा गद्दी के दूसरे महंत परमहंस बाबा गोपाल नाथ महाराज के शिष्य थे। उन्होंने बचपन में बाबा गोपाल नाथ महाराज का शिष्यत्व ग्रहण किया और उनसे शिक्षा दीक्षा लेकर योगाश्रम बगड़ धाम की स्थापना की। इतना ही नहीं उन्होंने मृत्यु भोज, शराब, दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या आदि बुराइयों के खिलाफ एक जन आंदोलन चलाया और समाज में जागरूकता लाने में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम में 32 धूणी के पंच मानधारी अमृत आश्रम फतेहपुर के महंत नरहरि नाथ, बाबा बाडी नाथ आश्रम लोहारू के महंत केशव नाथ, साइनाथ आश्रम सिरसा के महंत सुंदराई नाथ, अमरनाथ आश्रम नोहर के महंत पंचम नाथ, गोरख टीला गोगामेड़ी के महंत रूपनाथ, अखिल भारतीय सांगलिया धूणी के पीठाधीश्वर महंत ओम दास, सामधा मंदिर के मनोनीत गद्दी महंत श्री चंद्रनाथ महाराज, भोलानाथ, श्याम नाथ, विश्वनाथ, विक्रम नाथ, ओमनाथ, छोटूनाथ, गांव संगवाड़ी मंदिर के गद्दी महंत सोमनाथ महाराज, खोर बसई मंदिर के महंत संजूनाथ, मास्टर जगदीशनाथ, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी सुखीराम कोहराना, चंद्रभान दहिया, पूर्व सरपंच थावर सिंह चोपड़ा जलालपुर, सतबीर पूनिया, चिड़ावा निवासी राजेंद्र कांटी खेड़ी सहित हजारों की संख्या में भक्त मौजूद रहे।

मनरेगा का नाम बदलना सिर्फ नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि गरीबों और मजदूरों के अधिकारों पर है सीधा हमला- कैप्टन अजय

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । मनरेगा को लेकर आज जिला कांग्रेस कमेटी रेवाड़ी द्वारा धरना-प्रदर्शन किया गया। जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव और डॉ. एमएल रंगा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं आम नागरिक शामिल हुए। सभी कांग्रेसी कार्यकर्ता पहले राजीव गांधी चौक, रेवाड़ी पर एकत्रित हुए, जहां 'मनरेगा बचाओ - देश बचाओ' और भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाज़ी करते हुए धरना दिया गया। इसके पश्चात प्रदर्शनकारियों ने लघु सचिवालय पहुंचकर जिला उपायुक्त रेवाड़ी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी रेवाड़ी के ग्रामीण अध्यक्ष सुभाष छावड़ी, शहरी अध्यक्ष प्रवीण चौधरी, एससी डिपार्टमेंट के जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार, नीलम भगवाडिया, हरीश सैनी, दीवान सिंह चौहान, शकुंतला भांडोरिया, दीपिका लवली यादव, रेखा दहिया, सीमा धमीजा सहित कांग्रेस पार्टी के नव नियुक्त पदाधिकारी सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे। कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की मानसिकता अब पूरी तरह उजागर हो चुकी है। यह सरकार महात्मा गांधी के नाम और विचारों से नफरत करती है। मनरेगा जैसे ऐतिहासिक कानून का नाम बदलना सिर्फ एक नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि गरीबों और मजदूरों के अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि मनरेगा एक कानूनी अधिकार था, लेकिन भाजपा सरकार इसे खत्म कर 'विकसित भारत जी राम जी योजना' के नाम पर गरीबों से उनका हक छीनना चाहती है। उन्होंने कहा कि नई योजना में 60 प्रतिशत धन केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत राज्य सरकार को देना होगा, जबकि हरियाणा सरकार पहले ही भारी कर्ज में डूबी हुई है। ऐसे में यह योजना कैसे चलेगी, यह सरकार को स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मांगें स्पष्ट हैं कि 100 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी दी जाए। साथ ही ग्राम पंचायतों को पूर्ण अधिकार के साथ

न्यूनतम मजदूरी 400 प्रतिदिन सुनिश्चित की जाए

कैप्टन अजय सिंह यादव ने लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की पुस्तक को लेकर हुए हंगामे पर भी कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह साफ़ दर्शाता है कि मोदी सरकार सच्चाई से डरती है। राहुल गांधी चीन की घुसपैठ पर देश को सच बताना चाहते थे, लेकिन सरकार ने उन्हें बोलने नहीं दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब चीनी सेना भारतीय सीमा में घुसपैठ कर रही थी, तब सरकार क्या कर रही थी ? राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दे पर संसद में चर्चा से भागना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। अगर सब कुछ ठीक था, तो जनरल नरवणे की किताब पढ़ने और उस पर चर्चा से डर क्यों ? उन्होंने कहा कि सेना को संकट के समय स्पष्ट और मजबूत राजनीतिक नेतृत्व की जरूरत होती है, न कि चुप्पी की। चीन के सामने झुकना देश की सुरक्षा से समझौता है।

कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा कि यह पूरे देश के लिए शर्मनाक है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनाम मानव तस्कर और बाल यौन अपराधी जेफरी एप्स्टीन ने अपने संदेशों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नज़दीकी और 'सलाह' का दावा किया है। इससे प्रधानमंत्री की भूमिका और देश की गरिमा पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि एप्स्टीन फाइलों के खुलासों से पूरी दुनिया में हलचल मची हुई है। प्रधानमंत्री को यह स्पष्ट करना चाहिए कि यदि कोई सलाह ली गई थी, तो किस उद्देश्य से, किस मंच पर और किसके लाभ के लिए? 'आईटी वर्क्ड जैसी टिप्पणी आखिर किस सफलता की ओर इशारा करती है ? प्रधानमंत्री को देश के सामने तुरंत और स्पष्ट जवाब देना चाहिए। कैप्टन अजय सिंह यादव ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर भी चिंता जताई और कहा कि इससे भारतीय किसानों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार अमेरिका के दबाव में काम कर रही है। अमेरिका में मोदी जी के मित्र अडानी के खिलाफ मामले चल रहे हैं और इन्हीं दबावों के चलते भारत अमेरिका के सामने झुक रहा है, जो देशहित के खिलाफ है। कांग्रेस पार्टी भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी और गरीब, मजदूर, किसान एवं देश की सुरक्षा से जुड़े हर मुद्दे पर सड़क से संसद तक आवाज़ बुलंद करेगी।

एमजी ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर योग सिखाकर बढ़ाया देश का मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़. गुढ़ागौड़जी।

एमजी ग्लोबल स्कूल गुढ़ागौड़जी के विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय योग की प्रस्तुति देकर देश का मान बढ़ाया। एनआईएस कज़ाकिस्तान में आयोजित बायोलॉजी सप्ताह के अवसर पर एक विशेष ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय सहयोग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें एनआईएस कजाकिस्तान के छात्रों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम शैक्षिक आदान-प्रदान के साथ-साथ सांस्कृतिक समझ को प्रोत्साहित करने वाला रहा। सत्र के दौरान एमजी ग्लोबल स्कूल के छात्रों ने कज़ाकिस्तान के विद्यार्थियों को विभिन्न योग आसनों का अभ्यास करवाया और उनके जैविक तथा स्वास्थ्य संबंधी महत्व की विस्तार से जानकारी दी। छात्रों ने बताया कि योग किस प्रकार मानव शरीर की जैविक क्रियाओं को संतुलित रखता है तथा मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों ने वैश्विक मंच पर भारतीय संस्कृति और योग परंपरा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसके प्रत्युत्तर में एनआईएस स्कूल, कज़ाकिस्तान के छात्रों ने एमजी ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थियों को पारंपरिक कज़ाक नृत्य के स्टेप्स सिखाए और एक मधुर लोकगीत प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने सराहा। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और सीख से भरपूर रहा।

विद्यालय की प्रधानाचार्या एवं सह-निदेशिका आशा सिंह ने अपने संदेश में कहा कि इस प्रकार की अंतरराष्ट्रीय गतिविधियाँ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाती हैं और उन्हें वैश्विक नागरिक बनने की दिशा में अग्रसर करती हैं। योग जैसी भारतीय ज्ञान परंपरा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना गर्व का विषय है। विद्यालय के चेयरमैन डॉ. हरि सिंह गोदारा ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि एमजी ग्लोबल स्कूल सदैव विद्यार्थियों को वैश्विक मंच से जोड़ने का प्रयास करता रहा है। ऐसे सहयोग बच्चों के सर्वांगीण विकास और सांस्कृतिक समन्वय की मजबूत नींव रखते हैं। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और सभी विद्यार्थियों के लिए यह अनुभव ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं स्मरणीय रहा।

विमेंस प्रीमियर लीग के फाइनल में आज आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स की खिताबी जंग

वडोदरा (एजेंसी)। विमेंस प्रीमियर लीग 2026 का खिताब मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। लीग के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहकर आरसीबी ने सीधे फाइनल में एंट्री मारी थी। वहीं दूसरे और तीसरे नंबर पर रही गुजरात जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच एलिमिनेटर खेला गया। इसमें जेमिमा रोड्रिग्स की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स ने 7 विकेट से जीत हासिल करके फाइनल का टिकट कटाया। दिल्ली की टीम चौथी बार फाइनल में पहुंची है तो आरसीबी का दूसरा खिताबी मुकाबला होगा। स्मृति मंधाना आरसीबी की कप्तान हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स के बीच विमेंस प्रीमियर लीग 2026 का खिताबी मुकाबला 5 फरवरी को खेला जाएगा। यह मैच वडोदरा के बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम पर होना है। मैच की शुरुआत भारतीय समय अनुसार शाम 7 बजकर 30 मिनट पर होगी। इसके लिए टॉस 7 बजे होगा। दिल्ली अभी तक एक बार भी लीग को नहीं जीत पाई है। आरसीबी ने दिल्ली को ही हराकर 2024 सीजन अपने नाम किया था।

आरसीबी को हरा चुकी दिल्ली

इस सीजन आरसीबी ने दमदार खेल दिखाया है। लीग राउंड में टीम ने लगातार 5 मैच जीतकर प्लेऑफ में एंट्री मारी थी। दिल्ली कैपिटल्स ही वह टीम थी जिसने आरसीबी को विजयी रथ को रोका था। सीजन के 15वें मैच में दिल्ली ने आरसीबी को 7 विकेट से मात दी थी। वह मुकाबला भी वडोदरा में ही खेला गया था। दोनों टीमों के बीच अभी तक 9 मुकाबले हुए हैं। इसमें दिल्ली ने 6 जीते हैं जबकि आरसीबी के खाते में तीन मैच आए हैं।

इस प्रकार हैं दोनों टीमें

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- ग्रेस हैरिस, स्मृति मंधाना (कप्तान), जॉर्जिया वोल, गौतमी नाइक, ऋचा घोष (विकेटकीपर), नादिन डी क्लर्क, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, प्रेमा रावत, सयाली सतघरे, लॉरेन बेल, प्रथ्योषा कुमार, अरुंधति रेड्डी, दयालन हेमलता, पूजा वस्त्राकर, लिन्से स्मिथ।

दिल्ली कैपिटल्स- शैफाली वर्मा, लिजेल ली (विकेटकीपर), लौरा वोल्वार्ड्ट, जेमिमाह रोड्रिग्स (कप्तान), मारिज़ैन कप्प, निकी प्रसाद, स्नेह राणा, लुसी हैमिल्टन, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, मिन्नू मणि, तानिया भाटिया, अलाना किंग, चिनेले हेनरी, प्रगति सिंह, एडडला स्रुजाना।

हितेश और प्रीति की अगुवाई में भारतीय मुक्केबाजों की शानदार शुरुआत

लानुसिया (स्पेन) (एजेंसी)। हितेश गुलिया और प्रीति के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 मुक्केबाजी टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 21 देशों के 214 मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं और भारत के खिलाड़ियों ने पहले ही दिन मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

हितेश और प्रीति की एकतरफा जीत- पुरुषों के एलीट 70 किग्रा वर्ग में हितेश गुलिया ने शानदार तकनीक और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड के फिन बोस को 5-0 से हराया। वहीं महिलाओं के एलीट 54 किग्रा वर्ग में प्रीति ने कजाकिस्तान की अलियास्कर सिम्बैट को 5-0 से मात देकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।

महिला वर्ग में भारत का दबदबा- भारत की अन्य महिला मुक्केबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन जारी रखा। प्राची (57 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) ने क्रमश: स्पेन की वनेसा मोरेल रामिरेज़ और कनाडा की एलेशिया मानसुएटो को 5-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

सुप्रीम कोर्ट बोला-जिन्हें बैट पकड़ना नहीं आता, वे क्रिकेट संघों में

● खेल की पहचान सिर्फ खिलाड़ियों से, महाराष्ट्र एसोसिएशन चुनाव पर रोक हटाने से इनकार

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने क्रिकेट और अन्य खेल संघों के संचालन पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि खेल संस्थाओं का नेतृत्व ऐसे लोगों के हाथ में होना चाहिए, जो खेल को समझते हों। क्रिकेट संघों में रिटायर्ड क्रिकेटरों को जगह मिलनी चाहिए, न कि ऐसे लोगों को जो बैट तक पकड़ना नहीं जानते। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की नेतृत्व वाली बेंच ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया, जिसमें महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के चुनाव पर रोक लगाई गई थी। ये चुनाव 6 जनवरी को होने थे, लेकिन उनमें भाई-भतीजावाद और पक्षपात के आरोप लगे थे।

सीजेआई ने एमसीए में अचानक से सदस्य बढ़ने पर सवाल उठाया- सुनवाई के दौरान सीजेआई ने एमसीए की सदस्यता में अचानक हुई बढ़ोतरी पर सवाल उठाया। कोर्ट ने रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि 1986 से 2023 तक एसोसिएशन में 164 सदस्य थे,

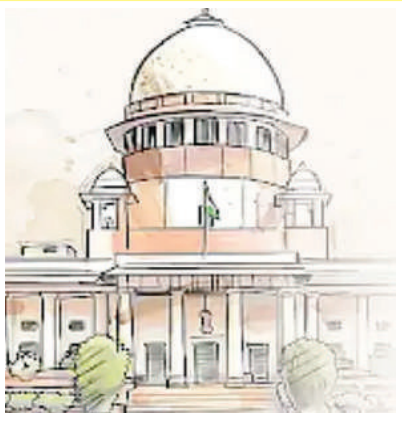

लेकिन इसके बाद अचानक बड़ी संख्या में नए सदस्य जोड़ दिए गए।

सीजेआई ने पूछा कि इतने सालों में सीमित सदस्य और फिर अचानक 'बंपर ड्रॉ' कैसे हो गया। उन्होंने कहा- अगर सदस्य संख्या 300 तक बढ़ानी थी तो उसमें नामी और रिटायर्ड अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को शामिल किया जाना चाहिए था।

एमसीए और अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाली समिति ने प्रक्रिया देखी थी और कुछ आवेदनों को खारिज भी किया गया। साथ ही आरोप लगाया गया कि चैरिटी कमिश्नर ने बिना कैबिनेट से सलाह लिए प्रशासक नियुक्त कर दिया।

केदार जाधव ने वोटर लिस्ट में हेरफेर का आरोप लगाया था- मामला तब शुरू हुआ जब पूर्व भारतीय क्रिकेटर और भाजपा नेता केदार जाधव ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब 401 नए सदस्यों को जोड़कर वोटर लिस्ट में हेरफेर की गई। याचिका में कहा गया कि इनमें से कई लोग एनसीपी-सपा विधायक रोहित पवार के रिश्तेदार या कारोबारी सहयोगी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को अपनी याचिकाएं वापस लेने की अनुमति दी और सभी आपत्तियां बॉम्बे हाईकोर्ट के सामने रखने को कहा।

13 फरवरी से शुरू होगा 'दिल्ली खेल महाकुंभ', 16 स्टेडियम समेत कई वेन्यू पर मैच

नई दिल्ली(एजेंसी)। खेल संस्कृति को बढ़ाने की दिशा में दिल्ली सरकार 'दिल्ली खेल महाकुंभ ' प्रतियोगिता करवाएगी। खेल और शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने इसका ऐलान किया। उन्होंने बताया कि इसका उद्घाटन 13 फरवरी को मुख्यमंत्री रेख गुप्ता करेंगी। प्रारंभिक चरण में इसमें कबड्डी, फुटबॉल, एथलेटिक्स, रेसलिंग, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और स्क्वैश- इन सात खेलों को शामिल किया गया है।

इनमें 20 हजार से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। यह महाकुंभ एक महीने तक दिल्ली के 16 विभिन्न स्टेडियम और अलग-अलग वेन्यू जैसे बवाना, विकासपुरी, नजफगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों में रखा जाएगा ताकि हर क्षेत्र के युवाओं को समान अवसर मिल सके। इस अवसर पर सूद ने 'रणवीर'नाम से 'दिल्ली खेल महाकुंभ' के मैस्कॉट का भी अनावरण किया। उन्होंने कहा कि रणवीर दिल्ली के युवाओं की ऊर्जा, साहस और खेल भावना का प्रतीक है।जीतने वाली टीमों और व्यक्तिगत स्पर्धाओं में जीतने वाले खिलाड़ियों को क्या इनाम मिलेगा?

भारत में नहीं दिखेंगे पीएसएल के मैच

पाक ने टी20 वर्ल्ड कप विवाद के बीच रोके मीडिया राइट्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया के खिलाफ मैच बॉयकॉट करने के बाद एक और भारत विरोधी कदम उठाया है। पीसीबी ने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 (पीएसएल 2026) के 11वें सीजन के मैचों का भारत में प्रसारण करने पर रोक लगा दी है। पीसीबी ने पीसएल11 के मैचों के इंटरनेशनल ब्रॉडकास्ट राइट्स बेचते हुए यह कदम उठाया है। हालांकि इससे उल्टा

पाकिस्तान को ही नुकसान होने की संभावना मानी जा रही है, क्योंकि क्रिकेट मैचों में विज्ञापन देने वाली अधिकतर कंपनियां भारतीय हैं और भारत में करीब 140 करोड़ की आबादी में से 80 फीसदी क्रिकेट मैचों का बड़ा दर्शक वर्ग है।

पाकिस्तानी कंपनी ने ही खरीदे हैं अधिकार- मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पीएसएल 11 के ग्लोबल मीडिया राइट्स के लिए बोली मांगी थी, जिसमें वली टेक्नोलॉजीज सबसे बड़ी बोलीदाता के तौर पर सामने आई है। पीसीबी ने भारत में प्रसारण के अधिकार छोड़कर बाकी सभी जगह के राइट्स वली टेकनोलॉजीज को एक साल के लिए दिए हैं। वली टेक्नोलॉजीज खुद को 'मेड इन पाकिस्तान' टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने वाली कंपनी होने का दावा करती है।

पिछली बार से 149 प्रतिशत ज्यादा महंगी कीमत का दावा

पीएसएल के सीईओ सलमान नासिर ने कहा, वली टेक्नोलॉजीज ने पिछले साल के मुकाबले 149 प्रतिशत ज्यादा कीमत पर ग्लोबल मीडिया राइट्स खरीदे हैं, जो पीएसएल की बढ़ती ब्रांड वैल्यू और इंटरनेशनल डिमांड को दिखा रहे हैं। हम नया बेंचमार्क तय करने के लिए वली टेक्नोलॉजीज के आभारी हैं।

क्रिकेट के 73 नियम बदले 1 अक्टूबर से लागू होंगे

● टेस्ट में दिन के आखिरी ओवर में विकेट गिरा तो नया बैटर आएगा, लेमिनेटेड बैट को मंजूरी

मेलबर्न (एजेंसी)। क्रिकेट के 73 नियम बदल दिए हैं। इनमें टेस्ट मैच में दिन के आखिरी ओवर में विकेट गिरने पर पूरा ओवर खेलना अनिवार्य कर दिया गया है। डेड बॉल, ओवरथ्रो, बाउंड्री पर लिए जाने वाले कैच, विकेटकीपर की पोजीशन जैसे कई नियम बदले गए हैं। लेमिनेटेड बैट को सशर्त मंजूरी दी गई है। नए नियम 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे। 2022 के बाद नियमों में यह सबसे बड़ा अपडेट है।

बदले गए मुख्य नियम

1. टेस्ट मैच में दिन का आखिरी ओवर का नियम बदला- क्रिकेट नियम बनाने वाले मेरिलबोन क्रिकेट क्लब

(एमसीसी) ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि टेस्ट मैचों में दिन का आखिरी ओवर अब हर हाल में पूरा कराया जाएगा। ऐसा न होने से खेल का रोमांच कम हो जाता है। एमसीसी ने कहा, 'यह अनुचित माना गया कि अगर दिन के अंतिम ओवर में गेंदबाजी कर रही टीम विकेट लेती है, तो बल्लेबाजी टीम को नया बल्लेबाज भेजने की जरूरत नहीं पड़ती।' वहीं यह भी बयान में कहा गया कि, इससे समय की बचत भी नहीं होती, क्योंकि बची हुई गेंदें अगले दिन पूरी करनी ही पड़ती हैं। साथ ही इससे खेल का रोमांच कम हो जाता है। नया बल्लेबाज मुश्किल परिस्थितियों से बच जाता है। क्योंकि आमतौर पर उस समय गेंदबाजों के लिए हालात अनुकूल होते हैं। नए नियम के तहत अगर परिस्थितियां अनुकूल रहीं, तो अंतिम पूरा किया जाएगा, भले ही उस दौरान विकेट गिर जाए।

ओवरथ्रो और 'डेड बॉल' की नई परिभाषा- एमसीसी ने ओवरथ्रो और मिसफील्ड के बीच के अंतर को स्पष्ट कर दिया है।

हिट विकेट के नियम को और साफ किया गया

हिट विकेट में कन्फ्यूजन को दूर किया गया है। अब यह समझने में कोई दिक्कत नहीं रहेगी कि बल्लेबाज कब हिट विकेट आउट माना जाएगा और कब नहीं।

● **बैलेंस बिगड़ना-** अगर बल्लेबाज शॉट खेलने के बाद लड़खड़ाता है और संतुलन बनाते-बनाते खुद स्टंप्स पर गिर जाता है, तो वह आउट होगा। इससे फर्क नहीं पड़ेगा कि गेंद उस समय कितनी दूर जा चुकी है।

● **फील्डर से टक्कर-** अगर बल्लेबाज का किसी फील्डर से टकराव हो जाता है और उसी वजह से वह स्टंप्स पर गिरता है, तो उसे हिट विकेट आउट नहीं दिया जाएगा। ● **बल्ला छूटना-** अगर बल्लेबाज के हाथ से बल्ला छूटकर सीधे स्टंप्स पर लग जाता है, तो वह आउट माना जाएगा। लेकिन अगर बल्ला पहले विकेटकीपर या किसी फील्डर को छूता है और फिर स्टंप्स से टकराता है, तो बल्लेबाज नॉट आउट रहेगा।

एमसीसी ने साफ किया है कि अगर बल्लेबाज गेंद खेलने के बाद संतुलन बनाने की कोशिश में लड़खड़ाकर स्टंप्स पर गिर जाता है, तो उसे हिट विकेट आउट माना जाएगा, चाहे गेंद उस समय काफी दूर जा चुकी हो।

बॉल और बैट के लिए तय हुए मानक

एमसीसी ने मौजूदा और पूर्व महिला खिलाड़ियों से सलाह लेकर जूनियर और महिला क्रिकेट में इस्तेमाल होने वाली गेंदों के लिए नए नियम बनाए हैं। अब गेंदों को तीन साइज में बांटा गया है। साइज-1, साइज-2 और साइज-3।

क्या एटली और शाहरुख खान फिर से करेंगे साथ में काम? जवान 2 को लेकर सामने आई अपडेट

शाहरुख खान आज लोगों के दिलों पर राज कर रहे हैं और दुनिया भर में उनके लाखों फैन हैं। हाल ही में, शाहरुख ने 33 साल में अपना पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। एटली की फिल्म जवान के बाद से फैंस इसके सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फैंस चाहते हैं कि दोनों फिर साथ काम करें। अब एटली ने जवान 2 को लेकर नई अपडेट शेयर की है।

क्या बनेंगी जवान 2

एटली ने बताया कि जवान 2 जल्दी नहीं बनेगी, बल्कि कुछ साल बाद हो सकती है। लेकिन वे और शाहरुख किसी दूसरे प्रोजेक्ट पर जरूर काम करेंगे। एटली ने शाहरुख को अपना पसंदीदा पिकलबॉल पार्टनर बताया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं और शाहरुख सर किसी प्रोजेक्ट पर जरूर काम करेंगे। लेकिन जवान 2 शायद कुछ साल बाद बनेगी। अभी तुरंत नहीं। जब मौका मिलेगा, तो हम इस पर सोचेंगे।

डॉन 3 के बारे में

एटली ने डॉन 3 निर्देशित करने की अफवाहों को झुठला दिया है। पहले खबर आई थी कि रणवीर सिंह के जाने के बाद शाहरुख फिर डॉन बनेंगे, लेकिन एटली ही निर्देशक होंगे। लेकिन एटली ने कहा, यह सिर्फ अफवाह है। मैंने भी पढ़ा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है।

फिल्म जवान के बारे में

शाहरुख ने इसमें दोहरी भूमिका निभाई थी- एक सैनिक पिता और उसके पुलिस अधिकारी बेटे की। उनके डायलॉग और एक्शन की बहुत तारीफ हुई। फिल्म ब्लॉकबस्टर रही। फिल्म जवान 2023 में रिलीज हुई थी।

तेलुगु सिनेमा में डेब्यू के लिए तैयार राशा थडानी

बॉलीवुड में फिल्म आजाद से डेब्यू कर चुकी अभिनेत्री राशा थडानी अब तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। वह फिल्म श्रीनिवास मंगापुरम में नजर आने वाली हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म का मोशन पोस्टर सामने आ चुका है। सोशल मीडिया पर अपनी फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर करते हुए राशा थडानी ने खुशी जाहिर की है। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट लिखी है। आइए जानते हैं इसमें क्या है?

राशा की फिल्म का मोशन पोस्टर

इंस्टाग्राम पर राशा थडानी ने जो पोस्टर शेयर किया है, उसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने हल्की बैंगनी रंग की ड्रेस पहनी है। उन्होंने अपने बाल खोले हैं। इसके बैकग्राउंड में गुड़हल के फूल लगे हैं। मोशन पोस्टर शेयर करते हुए राशा थडानी ने लिखा है श्रीनिवास मंगापुरम की मंगा से मिलिए। आभार और उम्मीद से भरे दिल के साथ, मैं तेलुगु सिनेमा में अपना पहला कदम रख रही हूं। यह एक ऐसी दुनिया है, जहां जमीन से जुड़ी कहानियां होती हैं। इस सफर ने मुझे अपने ऊपर यकीन करना और सब्र करना सिखाया है। उन लोगों का शुक्रिया जिन्होंने मुझ पर शुरुआत में भरोसा किया।

कौन है फिल्म का निर्देशक?

फिल्म श्रीनिवास मंगापुरम के निर्देशक अजय भूपति हैं। राशा थडानी इस फिल्म में मंगा का किरदार निभाएंगी। यह फिल्म कब रिलीज होगी इसके बारे में जानकारी नहीं है। अजय भूपति ने पहले आरएक्स 100, महा समुद्रम और मंगलावरम जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है।

राशा थडानी का करियर

आपको बता दें कि राशा थडानी ने फिल्म आजाद से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसमें अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन ने भी अभिनय किया था। फिल्म का निर्देशन अभिषेक कपूर ने किया था। 17 जनवरी 2025 को रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर पाई थी। राशा जल्द ही फिल्म लइकी लइका में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वह तेलुगु सिनेमा में डेब्यू के लिए तैयार हैं।

इंडस्ट्री में कोई किसी का बेस्ट फ्रेंड नहीं

टेलीविजन की मशहूर शुभांगी अत्रे इन दिनों आगामी फिल्म भाबीजी घर पर हैं को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में फ्रेंडशिप को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। शुभांगी अत्रे ने कहा कि इस इंडस्ट्री में कोई भी बेस्ट फ्रेंड नहीं है। अभिनेत्री ने हाल ही में बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉपुलर पॉडकास्ट ऑनेस्टली, व्हाई नॉट? में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शिरकत की थी। इस शो में होस्ट ने अभिनेत्री से मनोरंजन जगत में दोस्ती को लेकर सवाल किए। होस्ट ने पूछा था कि क्या आपने कभी इंटरव्यू में अपने को-स्टार्स के साथ सबसे अच्छे दोस्त होने को लेकर झूठ बोला है? इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, देखिए, यहां पर कोई भी बेस्ट फ्रेंड नहीं है, क्योंकि यहां पर लोगों में कॉम्पीटिशन और एक दूसरे को लेकर इंसीक्योरिटी बहुत ज्यादा है। जब एक शो चलता है, तब आप बहुत अच्छे दोस्त होते हैं, लेकिन जैसे ही आप उस शो से निकलते हैं, वो रिश्ते पीछे छूट जाते हैं। फिर आप अपनी जिंदगी की एक नई यात्रा शुरू करते हैं। मुझे लगता है कि एक एक्टर होने की सबसे अच्छी बात ये है कि आप खुद को लगातार खोजते और समझते रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, इसलिए यहां बेस्ट फ्रेंड जैसा कोई कॉन्सेप्ट नहीं है। हां, इतना जरूर है कि जब तक हम साथ काम करते हैं, तब हम एक परिवार की तरह रहते हैं।

इसके बाद होस्ट ने पूछा, आपके साथ सेट पर कभी ऐसा हुआ है कि सीन करने के बाद आपकी किसी के साथ नोकझोंक या लड़ाई हो गई और फिर से उन्हीं के साथ सीन करना पड़ रहा है और आपको ऐसा लग रहा है कि मुझे करना ही नहीं है? इस सवाल का जवाब शुभांगी अत्रे ने हंसते हुए दिया।

बहन शाहीन के साथ मिलकर फिल्म निर्माण करेंगी आलिया

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है- डोंट बी शाय। यह प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण आलिया ने अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर किया है।

आलिया भट्ट और शाहीन एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है- डोंट बी शाय है। इस फिल्म को इटर्नल सनशाइन प्रोडक्शंसन के तले बनाया गया है। आलिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें आलिया कहती हैं- क्या कहानी में सब कुछ है। रोमांस है, दिल टूटता है, गाना है, लड़कियां, लड़के, और एक कछुआ भी...। दरअसल, यह एक ऐसी कहानी जिसके साथ आप बड़े होते हैं।

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

आलिया की मां सोनी राजदान ने कमेंट में लिखा, वाह, शानदार, बहुत बढ़िया किया आपने, फिल्म निर्माता अशर आस्कन ने लिखा, अब तक की सबसे प्यारी घोषणा, एक फैन ने लिखा, आपकी एक्टिंग मुझे बहुत पसंद है, दूसरे फैन ने लिखा, यह तो बेहद रोमांचक लग रहा है, इतने लंबे समय बाद ऐसी कोई फिल्म आई है, यह कमाल की होने वाली है।

कब रिलीज होगी लव एंड वॉर

आलिया भट्ट लव एंड वॉर में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है। यह एक रोमांटिक पीरियड ड्रामा फिल्म है। इसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

मलयालम से अलग है हिंदी दृश्यम 3 की कहानी

क्राइम-थ्रिलर 'दृश्यम' अपने तीसरे पार्ट के साथ फिर लौट रही है। 'दृश्यम 3' मलयालम के साथ हिंदी में भी शुरू हो चुकी है। एक बार फिर विजय सालगांवकर (अजय देवगन) अपनी फैमिली के साथ वापस लौट रहे हैं। अब फिल्म को लेकर अभिनेत्री श्रिया सरन काफी उत्साहित हैं। उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के अपने सफर को इमोशनल बताते 'दृश्यम 3' के बारे में बात की है।

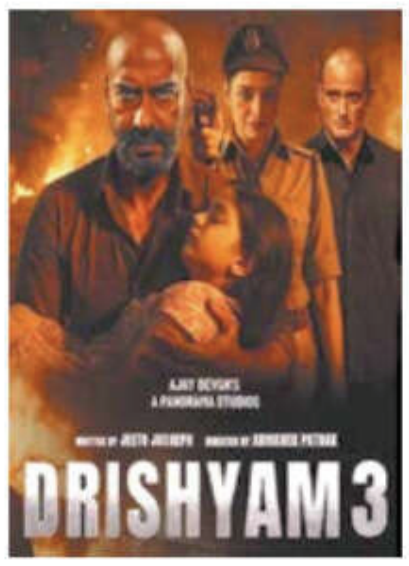

दस साल पहले शुरू हुई थी पहले पार्ट की शूटिंग

इंडिया टुडे के साथ बात करते हुए श्रिया सरन ने 'दृश्यम 3' को लेकर खुशी जताई। 'दृश्यम' की दुनिया में अपनी भूमिका को फिर से निभाने के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'मैं बेहद उत्साहित हूं। इस बार, कहानी असाधारण रूप से अच्छी तरह से लिखी गई है, बहुत कसी हुई और दिलचस्प है। यह फ्रेंचाइजी का आखिरी पार्ट है। हम अभी इसकी शूटिंग कर रहे हैं। यह मेरे लिए एक बेहद भावुक सफर है क्योंकि जब मैंने हाल ही में फिल्म देखी, तो मुझे एहसास हुआ कि पहला भाग दस साल से भी पहले शूट किया गया था। हम सब बहुत बदल गए हैं। मैं तब से बहुत बदल गई हूं।'

इस वजह से बाकी फिल्मों से अलग है 'दृश्यम'

श्रिया ने बताया कि दृश्यम को जो बात सबसे अलग बनाती है, वह सस्पेंस जॉनर में कहानी को अलग तरह से कहने की कला है। मुझे याद नहीं कि किसी मिस्ट्री फ्रेंचाइजी के तीन पार्ट हों। हमने ड्रामा सीरीज तो देखी हैं, लेकिन एक मिस्ट्री फ्रेंचाइजी, जिसमें पूरी कहानी एक छोटी सी घटना के इर्द-गिर्द घूमती हो, यह कमाल है। यकीन मानिए तीसरा पार्ट बेहद दिलचस्प है। इस दौरान उन्होंने 'दृश्यम 3' के एक बड़े ट्विस्ट की ओर भी इशारा किया।

मलयालम से अलग है हिंदी वर्जन

श्रिया सरन का मानना है कि मलयालम और हिंदी की 'दृश्यम' में अंतर है। यही कारण है कि फिल्म हर भाषा में अलग अनुभव देती है और पसंद की जाती है। उन्होंने कहा कि हिंदी 'दृश्यम 2' मलयालम वर्जन से बहुत अलग थी। यहां तक कि हिंदी 'दृश्यम 3' भी मलयालम वाली फिल्म से काफी अलग है।

2015 में रिलीज हुई थी पहली 'दृश्यम'

'दृश्यम' फ्रेंचाइज की शुरुआत साल 2015 में हुई थी। पहली फिल्म में अजय देवगन के साथ तब्बू, श्रिया सरन, रजत कपूर और इशिता दत्त प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसके बाद साल 2022 में 'दृश्यम 2' रिलीज हुई। इसमें अक्षय खन्ना भी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। अब लगभग चार साल बाद फ्रेंचाइजी का तीसरा पार्ट रिलीज होने जा रहा है।

श्रीलीला के साथ पहली बार नजर आएंगे धनुष

धनुष ने हाल ही में अपनी 55वीं फिल्म का एलान किया है, जिसका अस्थाई नाम डी55 है। निर्माताओं ने स्टार कास्ट की घोषणा भी कर दी है। निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की अगली फिल्म में धनुष के साथ मुख्य भूमिका में यह अभिनेत्री पहली बार नजर आएंगी। राजकुमार पेरियासामी पहले अमरन फिल्म बना चुके हैं।

धनुष की आगामी फिल्म का नाम

धनुष की आगामी फिल्म का अस्थाई नाम डी55 है। यह अस्थाई नाम इसलिए डी55 रखा गया है क्योंकि यह धनुष की 55वीं फिल्म हैं। इस फिल्म में उनके साथ पहली बार मुख्य अभिनेत्री के रूप में श्रीलीला नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार पेरियासामी करेंगे। धनुष और श्रीलीला पहली बार किसी फिल्म में एक साथ नजर आने वाले हैं।

निर्माताओं ने की घोषणा

फिल्म की प्रोडक्शन कंपनी वंडरबार फिल्म्स ने यह घोषणा की। उन्होंने लिखा, आपने यह उम्मीद नहीं की होगी। खूबसूरत अभिनेत्री श्रीलीला का डी55 में स्वागत है। साथ में धनुष, श्रीलीला और टीम की कई तस्वीरें भी शेयर की गईं, जो बहुत तेजी से फैंस के बीच सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

फिल्म डी55 के बारे में

डी55 एक बड़ा प्रोजेक्ट है। धनुष अपनी कंपनी वंडरबार फिल्म्स के साथ आर टेक स्टूडियोज को मिलकर इसे बना रहे हैं। फिल्म का निर्माण अभी मुंबई में चल रहा है। शूटिंग 2026 के आखिर तक पूरी होने की उम्मीद है। फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर दे रहे हैं। यह फिल्म 2027 में रिलीज हो सकती है।

भूमि पेडनेकर ने इंटरनेट स्क्रोलिंग को कहा दलदल

भूमि पेडनेकर की क्राइम बेस्ड सीरीज दलदल में उनके किरदार की दर्शक काफी तारीफ कर रहे हैं। बचपन के ट्रामा और मानसिक हालत को जोड़ कर बनी हुई ये सीरीज कई परतें खोलती हैं। इस इंटरव्यू में अभिनेत्री ने एंटरप्रेन्योर के तौर पर कई बातें साझा की हैं।

भूमि की वेब सीरीज दलदल में आज के दौर में समाज में हो रहे अपराध के पीछे के कारण को भी दिखाया गया है। भूमि से जब उनके सबसे बड़े दलदल के बारे पूछा गया तो भूमि ने कहा, मेरा सबसे बड़ा दलदल इंटरनेट स्क्रोलिंग था। मुझे सोशल मीडिया यूज करते वक्त पता ही नहीं चलता था कि कब कितना समय निकल गया? यह एक ऐसी आदत थी जिससे बाहर निकलना जरूरी था और मैंने इसे धीरे-धीरे बदला भी। आज सोशल मीडिया एक बेहद डरावनी जगह बन गया है। सोशल मीडिया पर अगर किसी के बारे में एक बार कुछ गलत कह दिया जाए तो बाकी लोग भी वही दोहराने लगते हैं और वह चीज एक ट्रेंड बन जाती है। लोगों के लिए जागरुक रहना और खुद को इस दलदल से बाहर निकालना जरूरी है। बतौर एंटरप्रेन्योर इस फील्ड में जाएंगी भूमि अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने बातचीत के दौरान सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल पर भी चर्चा की। बतौर एंटरप्रेन्योर,जब भूमि से ये पूछा गया कि क्या एक सच और झूठ बता देने वाला प्लेटफॉर्म बनाना चाहिए तो एक्ट्रेस ने जवाब दिया, यह वाकई एक बहुत अच्छा आइडिया है। मेरे मन में अक्सर आता है कि काश ऐसा कोई स्टार्टअप या प्लेटफॉर्म हो जो सिर्फ फैक्ट चेक पर काम करे। जहां लोग अपनी तरफ से भी वीडियो या जानकारी भेज सकें और यह प्लेटफॉर्म एआई या एक्सपर्ट्स की मदद से तुरंत बता सके कि यह सच है या झूठ।कई मीडिया हाउस फैक्ट चेक करते हैं जोकि बहुत अच्छा काम है। मैं खुद भी एक एंटरप्रेन्योर हूं और शायद आगे चलकर इस फील्ड में कुछ करना चाहूंगी।

'दलदल' वेब सीरीज ओटीटी पर रिलीज

'दलदल' वेब सीरीज 30 जनवरी से अमेजन प्राइम पर रिलीज हो चुकी है। भूमि पेडनेकर इस सीरीज में मुख्य किरदार में हैं, साथ ही समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी सीरीज में अहम भूमिका में हैं। इस वेब सीरीज में बाकी सपोर्टिंग कैरेक्टर्स जैसे की जया भट्टाचार्य, चिनमय मंडलेकर, गीता अग्रवाल, संदीप कुलकर्णी, सौरभ गोयल भी मौजूद हैं।

दमदार एक्टर होने के साथ एक फैमिली मैन भी हैं शाहिद कपूर

बॉलीवुड में शाहिद कपूर की शुरुआत साल 2003 में एक लवर बॉय के तौर पर इश्क विश्क से हुई थी। इंडस्ट्री में आम तौर पर एक्टर्स का एक इमेज में बंध जाना जहां स्वभाविक की समस्या बन जाती है, वहीं हरफनमौला शाहिद ने इस बंधन को मानने से इनकार कर दिया। पर्दे पर उन्हें जब वी मेट और विवाह में निहारने वाले दर्शक तब दंग रह गए, जब कमीने, हैदर, कबीर सिंह में उनका इन्टेंस अवतार दिखा। अब वह विशाल भारद्वाज की ओ रोमियो में एक गैंगस्टर के रोल में नजर आने वाले हैं। आप चाहे उनके फैन हो या नहीं, लेकिन उनकी अदाकारी के ग्राफ की तारीफ हर कोई करता है। एक दमदार एक्टर होने के साथ ही शाहिद एक फैमिली मैन भी हैं। बातचीत में उन्होंने करियर और निजी जीवन के बीच के संतुलन, पैरेंटिंग, शादी, परफॉर्मेंस ओरिएंटेड भूमिकाओं, और ओ रोमियो पर बात की है।

अपने परिवार को पॉजिटिव सोच देनी चाहिए

शाहिद कपूर एक बेहतरीन पिता भी हैं। वह मीशा और ज़ैन के प्यारे पापा हैं। आज के दौर में वह बच्चों को वह किस तरह के वैल्यूज देना चाहेंगे? इस सवाल पर एक्टर कहते हैं, 'इस पर तो किताब लिखी जा सकती है। मुझे लगता है कि आपके परिवार के जो मूल्य हैं, वह आपके बच्चों में होने चाहिए। बच्चों को हमेशा पॉजिटिव एनर्जी देनी चाहिए, क्योंकि आजकल के बच्चे और यंगस्टर्स बहुत समझदार हो गए हैं। आजकल के बच्चे हर चीज के लिए बहुत ज्यादा सोचते हैं और नकारात्मक पहलुओं की तरफ उनका फोकस ज्यादा है, तो ऐसे में उन्हें पॉजिटिव सोच देना बहुत जरूरी है। उन्हें बताना जरूरी है कि हम इन फैमिली वैल्यूज में विश्वास करते हैं। बच्चों को बहुत ज्यादा प्यार देने की जरूरत है, एक कनेक्शन स्थापित करना, उनसे कम्युनिकेट करना बेहद आवश्यक है।'

बच्चों पर अपने सपने ना थोपें

शाहिद से जब पूछा गया कि वह अपने बच्चों को किस चीज से बचाना चाहेंगे? तो जवाब मिला, 'मुझे लगता है कि मां-बाप को अपने बच्चों को अपनी ख्वाहिशों और महत्वाकांक्षाओं से बचाना चाहिए। बच्चों पर अपने सपने न थोपें। ऊपर वाले ने उन्हें अपनी एक यात्रा पर भेजा है और बच्चों को उस सफर पर जाने दें।'

शादी में एक-दूसरे को वक्त देना बहुत जरूरी है

पत्नी मीरा राजपूत के साथ बॉन्डिंग के बारे में शाहिद कहते हैं, 'मैं हमेशा कहता हूं कि शादी डेली वर्क है। अपनी शादी देखकर हर किसी को लगता है कि दूसरे की शादी अच्छी है, पर ऐसा नहीं होता। जिस तरह से आप आज इंस्टाग्राम या यूट्यूब पर फोकस करते हैं, उसी तरह से अपनी रिलेशनशिप पर भी ध्यान देना जरूरी है। जब आप अपने पार्टनर पर ध्यान देते हैं और उसे इज्जत देते हैं, तो वह सामने वाले को भी महसूस होता है। शादी में पार्टनर को वक्त और सम्मान देना बहुत आवश्यक है। मैं-मीरा ये ही कोशिश करते हैं।'

आप तभी ट्रांसफॉर्म होते हैं, जब खुद को चुनौती देते हैं

शाहिद कपूर ने लवर बॉय से अपने करियर की शुरुआत की थी और फिर इंटेंस और टफ भूमिकाओं में नजर आए। इस ट्रांसफॉर्मेशन पर वह कहते हैं, 'आप ट्रांसफोर्म तभी हो पाते हैं, जब आप रिस्क लेना या खुद को चुनौती देना शुरू करते हैं। इससे आप मुश्किल भूमिकाएं कर पाते हैं और फिर उस सफर का आनंद उठाने लगते हैं। जब लोग उस चीज को देखते हैं और पसंद करते हैं, तब वे उस तरह के रोल्स का प्रस्ताव आपके पास लाने लगते हैं और एक सिलसिला चल निकलता है।

ओ रोमियो डरावनी भी है, रोमांटिक भी, इमोशनल भी

शाहिद आगे कहते हैं, अब विशाल सर के साथ ही ओ रोमियो मेरी चौथी फिल्म है। ये नब्बे के गैंगस्टर की प्रेम कहानी है और सभी जानते हैं कि विशाल भारद्वाज की फिल्मों की दुनिया थोड़ी अनोखी और अजीब होती है। फिल्म के अंदर एक ड्रामा है, पर यह फिल्म थोड़ी क्रिकी है। ये एक ही साथ में डरावनी भी है, रोमांटिक भी और इमोशनल भी।'

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में दंपती ने अपने ही दो बच्चों के सिर काटे, उम्रकैद की सजा मिली

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक दंपती को उनके दो बच्चों की क्रूर हत्या के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। मॉरिस ज्वेल टेलर सीनियर (39 वर्ष) और उनकी पत्नी नताली सुमिको ब्रॉथवेल (49 वर्ष) को सोमवार को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई, साथ ही अतिरिक्त छह साल की सजा भी दी गई। जज ने इस अपराध को राक्षसी करार देते हुए कहा कि यह बेहद क्रूर हरकत है, जिसमें उन्होंने अपने 13 साल की बेटी मालियाका और 12 साल के बेटे मॉरिस की हत्या की, जिसमें चाकू से वार कर सिर काट दिया गया। यह घटना 29 नवंबर 2020 को उनके घर में हुई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हत्या के बाद दंपती ने अपने दो छोटे बेटों को जबरन अपने भाई-बहन के कटे हुए शव देखने के लिए मजबूर किया और उन्हें कई दिनों तक बिना खाना दिए कमरों में बंद रखा। नवंबर 2025 में जूरी ने दोनों को दो मामलों में प्रथम श्रेणी की हत्या और बच्चों के साथ क्रूरता से दुर्व्यवहार के दो मामलों में दोषी ठहराया था। पुलिस को इस मामले की जानकारी तब मिली जब टेलर, जो एक पर्सनल ट्रेनर थे और कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन जूम सेशन्स लेते थे, अचानक अपने शेड्यूल्ड मीटिंग्स में लॉग इन करना बंद कर दिया। चिंतित क्लाइंट्स ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची तो घर में दो बच्चों के शव अलग-अलग बेडरूम में मिले, जिन पर तेज धार वाले हथियार से हमले के निशान थे। टेलर को कुछ दिनों बाद गिरफ्तार किया गया, जबकि ब्रॉथवेल को लगभग एक साल बाद 2021 में पकड़ा गया।

कनाडा में घर पर गोली चलाने के आरोप में तीन भारतीय गिरफ्तार

ओटावा, एजेंसी। जबरन वसूली विरोधी गश्त पर निकली कनाडाई पुलिस ने एक घर पर गोलीबारी करने के आरोप में तीन भारतीयों को गिरफ्तार कर उन पर मामला दर्ज किया है। सरे पुलिस सेवा ने आरोपियों की पहचान हरजोत सिंह (21), तरनवीर सिंह (19) और दयाजीत सिंह बिलिंग (21) के रूप में की है। इन पर एक-एक बार हथियार चलाने का आरोप है। तीनों को बृहस्पतिवार 5 फरवरी तक हिरासत में भेज दिया गया है। दरअसल 1 फरवरी की दोपहर सरे पुलिस को गोलीबारी और एक छोटी सी आग लगने की सूचना मिली। पुलिसकर्मी उस समय प्रोजेक्ट एश्योरेंस (जबरन वसूली) के हिस्से के रूप में सरे के क्रिसेंट बीच पड़ोस में गश्त कर रहे थे। उनके मौके पर पहुंचने के बाद जल्द ही तीनों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपी भारत के रहने वाले हैं। अभी यह साफ नहीं है कि ये किस गैंग से जुड़े हैं। मामले की जानकारी कनाडा सीमा सेवा एजेंसी को भी दे दी गई है। दोष सिद्ध होने पर इसका असर उनकी आव्रजन स्थिति पर भी पड़ सकता है। जांच एजेंसियों का कहना है कि आने वाले दिनों में और धाराएं जोड़ी जा सकती हैं।

म्यांमार में 6 तीव्रता की भूकंप से कांपी धरती

नेपिदाव, एजेंसी। म्यांमार में मंगलवार को रात करीब 9 बजे भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6 माफी गई। इसका केंद्र जमीन के 20 किमी नीचे था। भूकंप 20.45 डिग्री उत्तरी अक्षांश व 93.86 डिग्री पूर्वी देशांतर पर महसूस हु। हालांकि, इसमें जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

नेपाल सरकार ने सोशल मीडिया को नियंत्रित करने वाला विवादित विधेयक वापस लिया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने मंगलवार को विवादित सोशल मीडिया विधेयक को वापस लेने का फैसला किया है। पिछले साल अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार की तरफ से पेश सोशल मीडिया विधेयक 2025 की सभी तरफ आलोचना हुई थी। इसका उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नियंत्रित करना था। गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने मीडिया को बताया कि मंगलवार को कैबिनेट बैठक में विधेयक वापस लेने का फैसला किया गया। आर्यल ने कहा, सरकार ने सोशल मीडिया बिल-2025 को संघीय संसद से वापस लेने का फैसला किया है। तत्कालीन संचार और सूचना मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने सोशल मीडिया साइट्स को नियंत्रित करने के मकसद से 28 जनवरी, 2025 को नेशनल असेंबली में यह विधेयक पेश किया था। ओली के नेतृत्व वाली सरकार ने संसद द्वारा विधेयक पास होने से पहले ही 26 सोशल मीडिया साइट्स को प्रतिबंधित कर दिया था। नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने मंगलवार को संकेत दिया कि देश में आम चुनाव दो चरणों में हो सकते हैं। कार्की ने कहा, अगर मौसम ने साथ नहीं दिया तो पर्वतीय जिलों में चुनाव दूसरे चरण में हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार तय कार्यक्रम के अनुसार चुनाव कराने में हर जरूरी मदद करेगी। नेपाल की पीएम ने पांच मार्च को होने वाले चुनाव में सभी से प्रतिभाग करने की अपील की।

शांति इंटरनेशनल स्कूल में नीट पीजी चयन पर डॉ. अंशु का भव्य सम्मान

शांति इंटरनेशनल स्कूल की शान बनीं डॉ. अंशु

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी कलां।

डॉ. अंशु ने बढ़ाया क्षेत्र का मान, स्कूल में गूंजे बधाई के स्वर

शांति इंटरनेशनल स्कूल में नीट स्नातकोत्तर परीक्षा में चयनित डॉ. अंशु पुत्री सुमेर सिंह के सम्मान में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. अंशु का प्रवेश सरोजिनी नायडू सरकारी मेडिकल कॉलेज, आगरा उत्तर प्रदेश में हुआ है। इस उपलब्धि से विद्यालय सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के पूर्व अतिरिक्त निदेशक ओपी यादव रहे। समारोह की अध्यक्षता पंडित ताड़केश्वर शर्मा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पचेरी बड़ी के प्रधानाचार्य श्रीपाल यादव ने की। विशिष्ट अतिथियों में विद्यालय के सलाहकार एवं पूर्व प्रधानाचार्य महावीर, काशीराम तथा धर्मपाल मास्टर उपस्थित रहे। विद्यालय के निदेशक सुमेर यादव और चेयरमैन जगदेव सिंह यादव सहित सभी अतिथियों ने डॉ. अंशु को पुष्पमाला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

डॉ अंशु यादव

चेयरमैन जगदेव सिंह यादव एवं निदेशक सुमेर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंशु की सफलता क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य के प्रति समर्पण, नियमित अध्ययन और सकारात्मक सोच से ही ऐसी उपलब्धियाँ प्राप्त होती हैं। विद्यालय सदैव विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करता रहेगा। मुख्य अतिथि ओपी यादव ने कहा कि ग्रामीण परिवेश से निकलकर राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में सफलता प्राप्त करना अत्यंत गौरव की बात है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, परिश्रम और समय प्रबंधन को सफलता की कुंजी बताते हुए चिकित्सा क्षेत्र में सेवा भाव के साथ कार्य करने का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉ. अंशु यादव के हाथों केक कटवाकर शुभकामनाएँ दी गईं तथा उनके माता-पिता का भी सम्मान किया गया। अपने प्रेरक संबोधन में डॉ. अंशु ने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि निरंतर परिश्रम, आत्मविश्वास और सही मार्गदर्शन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने विद्यार्थियों से अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करने और समय का सदुपयोग करने की अपील की। कार्यक्रम के पश्चात विद्यालय परिसर में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक आनंद उत्सव मनाया। इसके बाद विद्यालय से लेकर पचेरी कलां के मुख्य बाजार तक शोभायात्रा निकाली गई, जहाँ नगरवासियों ने डॉ. अंशु को बधाइयाँ दीं।

समारोह में पोनी यादव, मंजू यादव, सुजाता, विपिन, रवि, विकास, शुभम, विजेंद्र, अंकित, विशाल, ममता, पारुल, वंदना, मनीषा, नीलम, मीना, सपना, प्रदीप, ओमप्रकाश, रमेश, गंगाधर, संदीप, रामभरोस सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ एवं अभिभावक उपस्थित रहे। यह समारोह विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक और स्मरणीय रहा।

ग्रीस में बड़ा हादसा: ग्रीक कोस्ट गार्ड के जहाज से टकराई अप्रवासियों की नौका

चियोस, एजेंसी। ग्रीस के पूर्वी एजियन द्वीप चियोस के पास एक स्पीडबोट और ग्रीक कोस्ट गार्ड की नाव की टक्कर में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। ग्रीक कोस्ट गार्ड ने मंगलवार को बताया कि 24 लोगों को बचाया गया और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इसमें दो कोस्ट गार्ड अधिकारी भी घायल हुए हैं। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि स्पीडबोट में कुल कितने लोग थे। हालांकि अभी बचाव अभियान जारी है, जिसमें चार गश्ती जहाज, एक हेलीकॉप्टर और डाइवर्स वाली एक निजी नाव शामिल हैं। स्थानीय मीडिया के वीडियो में देखा गया कि एक व्यक्ति को कंबल में लपेटकर कोस्ट गार्ड की नाव से लेकर एंबुलेंस में डाला जा रहा था, और दो बच्चों को भी वहां ले जाया गया। कोस्ट गार्ड ने यह भी बताया कि अभी टक्कर कैसे हुई और मरने वालों की पहचान कौन है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

यूरोपीय संघ में प्रवेश का ग्रीस मुख्य रास्ता : बता दें कि ग्रीस यूरोपीय संघ में प्रवेश का मुख्य रास्ता है, खासकर

उन लोगों के लिए जो युद्ध और गरीबी से भागकर आते हैं। इस रास्ते पर सुरक्षा की कमी और तेज समुद्र के कारण कई बार हादसे होते रहते हैं। पिछले कुछ वर्षों में ग्रीस और यूरोपीय संघ की कई देश माइग्रेशन नियम कड़े कर चुके हैं।

इसमें डिपोर्टेशन तेज करना और हिरासत बढ़ाना शामिल है। इतना ही नहीं यूरोपीय देशों में माइग्रेशन पर लगातार बहस होती रहती है। कुछ देशों में दक्षिणपंथी पार्टियों का दबदबा बढ़ा है, और नियम सख्त हो गए हैं। इसके चलते आसाइलम लेने वालों की संख्या अब पहले जैसी नहीं रही।

फ्लाइट में महिला से यौन दुर्व्यवहार के आरोप में भारतीय नागरिक दोषी करार, 7 मई सुनाई जाएगी सजा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय मूल के एक नागरिक को घरेलू उड़ान में महिला सहयात्री से यौन दुर्व्यवहार का दोषी ठहराया गया है। अदालत ने 38 वर्षीय वरुण अरोड़ा को साल 2024 में विमान में सवार होने के दौरान महिला यात्री के साथ यौन उत्पीड़न का दोषी पाया गया है। ऐसे में अब सात मई को होने वाली सुनवाई में उसे अधिकतम दो साल की जेल हो सकती है। यह डी बताया गया कि वो अमेरिका में बिना वैध नागरिकता के रह रहा है।

फ्लाइट में महिला यात्री से गंदी हरकत : वर्जीनिया के पूर्वी जिले में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक एक संघीय जूरी ने गुरुवार 29 जनवरी को वरुण अरोड़ा को यौन दुर्व्यवहार और हमले के आरोपों में दोषी ठहराया। बताया गया कि यह दोषसिद्धि 29 अगस्त, 2024 को

रोड आइलैंड टीएफ ग्रीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने के अंतिम चरण के दौरान हुई एक घटना से जुड़ा है।

हाथ हटाने के बाद भी बार-बार छू रहा था शख्स : अदालती रिकॉर्ड और मुकदमे के सबूतों का हवाला देते हुए अमेरिकी अटॉर्नी के कार्यालय ने कहा कि एक महिला यात्री उस समय जाग उठी, जब वरुण अरोड़ा उसके साथ यौन दुर्व्यवहार कर रहा था। बयान में बताया गया है कि उसने स्लीप मास्क पहन रखा था और सोने का नाटक कर रहा था और पीड़िता के बार-बार उसका हाथ हटाने के बावजूद अपना हाथ उस पर रखता रहा। बगल वाली सीट पर बैठी थी महिला एफबीआई के विशेष एजेंट मार्क एस्पोसिटो की ओर से अदालत में दायर हलफनामे के अनुसार अरोड़ा गलियारे वाली सीट पर बैठा था, जबकि पीड़ित उसके बगल वाली बीच वाली सीट पर सो रही थी। हलफनामे के मुताबिक महिला ने अरोड़ा को अपने प्राइवेट पार्ट को छूने का पहली बार अनुभव करने के बाद खुद को उससे दूर करने की कोशिश की और उसका हाथ हटा दिया। लेकिन आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और फिर से छूने की कोशिश करने लगा। तस्वीर खींचकर एयरलाइंस को दी सूचना हलफनामे के अनुसार, विमान से उतरते समय उसने उसकी एक तस्वीर ली और अगले दिन इस घटना की सूचना अमेरिकन एयरलाइंस को दी। एफबीआई ने मामले की जांच की और पुष्टि की है कि पीड़ित और संदिग्ध उड़ान में एक दूसरे के बगल में बैठे थे। आंशिक रूप से पीड़ित द्वारा ली गई संदिग्ध की तस्वीर की तुलना अरोड़ा के ड्राइविंग लाइसेंस पर मौजूद तस्वीर से करके। उसे अगस्त 2025 में गिरफ्तार किया गया था और उसी वर्ष अक्टूबर में उन पर आरोप तय किए गए थे।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक के गवर्नर का इस्तीफा, स्टीफन मिरान ने छोड़ा सीईए के चेयरमैन का पद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के केंद्रीय बैंक के गवर्नर स्टीफन मिरान ने व्हाइट हाउस में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह अब व्हाइट हाउस की आर्थिक सलाहकारों की परिषद (सीईए) के चेयरमैन नहीं रहेंगे। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की।

सितंबर 2025 में स्टीफन मिरान की हुई थी नियुक्ति : दरअसल में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल सितंबर महीने में स्टीफन मिरान को फेडरल रिजर्व के सात सदस्यीय बोर्ड में नियुक्त किया था। यह नियुक्ति तब हुई, जब पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की तरफ से नियुक्त गवर्नर एड्रियाना कुगलर ने अचानक

इस्तीफा दे दिया था। मिरान ने कुगलर का कार्यकाल पूरा किया, जो 31 जनवरी को खत्म हुआ। हालांकि उनका कार्यकाल खत्म हो गया है, लेकिन जब तक सीनेट किसी नए गवर्नर की पुष्टि नहीं कर देती, तब तक मिरान फेड बोर्ड में बने रह सकते हैं। फेड एक गैर-राजनीतिक संस्था मानी जाती है। आमतौर पर कोई भी व्यक्ति व्हाइट हाउस की नौकरी छोड़कर ही फेड में जाता है। लेकिन मिरान ने व्हाइट हाउस की नौकरी छोड़ी नहीं थी, बल्कि बिना वेतन छुट्टी पर थे। इसी वजह से इस व्यवस्था पर सवाल उठे। स्टीफन मिरान ने पहले ही सीनेट से वादा किया था कि अगर वह 31 जनवरी के बाद फेड बोर्ड में बने रहते हैं, तो वे सीईए से इस्तीफा दे देंगे। अब उन्होंने वही किया है। इस पूरे घटनाक्रम से फेडरल रिजर्व में बड़े बदलावों की अटकलें तेज हो गई हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने केविन वार्श को मौजूदा फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल की जगह लेने के लिए नामित किया है। जेरोम पॉवेल का चेयरमैन के तौर पर कार्यकाल 15 मई को खत्म हो रहा है। लेकिन फेड के नियमों में एक 'तकनीकी रास्ता' है।

लीबिया में मारा गया गद्दाफी का बेटा सैफ अल-इस्लाम, 15 साल पहले पिता की हुई थी हत्या

ट्राइपोलि, एजेंसी। लीबिया के पूर्व शासक मुअम्मर गद्दाफी का बेटा सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी, मंगलवार को एक हमले में मारा गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने उनकी टीम के एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि मुअम्मर गद्दाफी के बेटे की मंगलवार को पश्चिमी लीबिया में हत्या कर दी गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैफ अल-इस्लाम के घर में घुस आए चार अज्ञात बंदूकधारियों के साथ उनकी सीधी मुठभेड़ हुई और इस दौरान उनकी मौत हो गई। गद्दाफी के करीबी नेता अब्दुल्ला ओथमान अब्दुर्रहीम ने फेसबुक पर इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि चार नकाबपोश बंदूकधारियों ने दोपहर में जिंटान शहर में गद्दाफी के आवास पर धावा बोल दिया। हमलावरों ने कथित तौर पर मुठभेड़ से पहले सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे हमलावरों की पहचान पता नहीं चल पाई। वहीं सैफ अल-इस्लाम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर ज्यादा जानकारी फिलहाल सामने नहीं आ पाई है। सैफ की टीम ने लीबियाई कोर्ट और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से हमले की जांच करने, अपराधियों की पहचान करने और इस ऑपरेशन की योजना बनाने वालों को जवाबदेह ठहराने की अपील की है।

कौन थे सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी : लीबिया में 2011 में नाटो समर्थित विद्रोह के बाद भी सैफ यहां एक अहम नेता बने रहे। बता दें कि इस विद्रोह में उनके पिता मुअम्मर गद्दाफी मारे गए थे। गद्दाफी ने चार दशकों से अधिक समय तक लीबिया में राज किया था। सैफ ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ाई पूरी की थी और उन्हें कभी कई सरकारों द्वारा लीबिया का स्वीकार्य, पश्चिमी-अनुकूल चेहरा माना जाता था। कोई आधिकारिक पद ना होने के बावजूद, सैफ अल-इस्लाम को एक समय मेरा तेल समृद्ध उत्तरी अफ्रीकी देश में अपने पिता मुअम्मर गद्दाफी के बाद सबसे शक्तिशाली व्यक्ति माना जाता था। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैफ अल-इस्लाम ने कई उच्च-स्तरीय, संवेदनशील राजनयिक मिशनों में मध्यस्थता की। उन्होंने पश्चिम के साथ संबंध बनाए और खुद को एक सुधारक के रूप में पेश किया। साथ ही सैफ ने संविधान और मानवाधिकारों के सम्मान का भी आह्वान किया। हालांकि जब 2011 में गद्दाफी के लंबे शासन के खिलाफ विद्रोह हुआ, तो सैफ अल-इस्लाम ने अपनी दोस्ती के बजाय परिवार और कबीले की वफादारी को चुना और विद्रोहियों पर क्रूर कार्रवाई का मास्टरमाइंड बन गया। 2015 में, त्रिपोली की एक अदालत ने सैफ अल-इस्लाम को युद्ध अपराधों के लिए फायरिंग स्क्वाड द्वारा मौत की सजा सुनाई। इसके बाद 2017 में एक माफी कानून के तहत मिलिशिया द्वारा रिहा किए जाने के बाद से, सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी अंडरग्राउंड होकर जिंटान में रह रहे थे।

55 लाख का गियर पहनता है बलूच विद्रोही, पाक सेना के पास वैसे हथियार नहीं; रक्षा मंत्री का कबूलनामा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में नेशनल असेंबली (संसद) में बलूचिस्तान की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा के दौरान एक बड़ा और चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने स्वीकार किया कि बलूच विद्रोही- मुख्य रूप से बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाके पाकिस्तानी सेना से ज्यादा एडवांस और महंगे हथियार इस्तेमाल कर रहे हैं और पाकिस्तानी सेना के पास ऐसे हथियार नहीं हैं। संसद में बोलते हुए ख्वाजा आसिफ ने हथियारों की कीमतों का हवाला देते हुए अपनी सेना की लाचारी बताई। उन्होंने कहा कि इन विद्रोहियों के पास ऐसी राइफलें हैं जिनकी कीमत 20 लाख रुपये (पाकिस्तानी रुपया) से अधिक है। रक्षा मंत्री ने स्पष्ट कहा- हमारे पास ऐसी राइफलें नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विद्रोही 4,000 से 5,000 डॉलर की कीमत वाले थर्मल वेपन साइट्स और लेजर सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे वे रात के अंधेरे में भी सटीक निशाना लगा सकते हैं। पाक रक्षा मंत्री के मुताबिक, एक औसत बलूच विद्रोही का पूरा कॉम्बैट गियर (युद्धक साज-सज्जा) लगभग 20,000 डॉलर (करीब 55 लाख पाकिस्तानी रुपये) का है।

शारीरिक रूप से अक्षम सेना : ख्वाजा आसिफ ने स्वीकार किया कि बलूचिस्तान का विशाल भूगोल पाकिस्तानी सेना के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। यह प्रांत पाकिस्तान के कुल क्षेत्रफल का 40% से अधिक है। उन्होंने कहा- इतने बड़े क्षेत्र को नियंत्रित करना किसी घनी आबादी वाले शहर को संभालने से कहीं ज्यादा मुश्किल है। हमारे सैनिक सक्रिय हैं, लेकिन इतने बड़े इलाके की गश्त और रखवाली करने में वे शारीरिक रूप से अक्षम साबित हो

रहे हैं। यह बयान बलूचिस्तान में हुए हालिया भीषण हमलों के बाद आया है। जनवरी के अंत और फरवरी 2026 की शुरुआत में बीएलए ने पूरे प्रांत में ऑपरेशन हेरोफ के तहत समन्वित हमले किए। बीएलए ने 'ऑपरेशन हेरोफ 2.0' के तहत कई शहरों, जैसे- क्वेटा, ग्वादर, मस्तुंग, नुश्की, खुजदार आदि में पुलिस स्टेशन, सुरक्षा ठिकानों, नागरिक घरों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर एक साथ हमले किए। इन हमलों में महिला फिदायीन हमलावर भी शामिल थीं, जैसे आसिफा मेंगल और हवा बलोच।

बीएलए ने मचाया कोहराम : इन झड़पों में आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार लगभग 17 सुरक्षाकर्मी और 33 नागरिक मारे गए, जबकि पाकिस्तान ने 177 विद्रोहियों को मार गिराने का दावा किया है। रक्षा मंत्री ने इस बात पर भी चिंता जताई कि अब विद्रोहों में महिलाओं का इस्तेमाल आत्मघाती हमलावरों (जैसे 'मजीद ब्रिगेड') के रूप में किया जा रहा है। हालांकि बीएलए ने दावा किया है उसने 200 से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिक मार गिराए और कई बंधक बनाए। यह बलूचिस्तान में हाल के दशकों का सबसे बड़ा और सबसे घातक संघर्ष माना जा रहा है।

कहां से आ रहे हथियार : पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने इन आधुनिक हथियारों (विशेषकर अमेरिकी निर्मित हथियारों) की मौजूदगी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि ये हथियार अफगानिस्तान में छोड़े गए अमेरिकी जखीरे से आ सकते हैं। उन्होंने हमेशा की तरह इस अशांति के पीछे विदेशी ताकतों का हाथ होने का दावा किया, हालांकि इसके लिए कोई ठोस सबूत पेश नहीं किए। उन्होंने यह भी कहा कि पेट्रोल की तस्करी और आपराधिक नेटवर्क इन विद्रोहियों को फंड मुहैया करा रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com